संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 49
पृष्ठ 8
गुरुवार
06 नवम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– सूंघने में समस्या? इसे नजरअंदाज.... विचार– महिला टीम को बधाई और सलाम ... खेल– वो 5 पारियां जिन्होंने बनाया विराट...

2017 में ही तय किया था कि यूपी की छवि बदलेंगे

सीएम योगी ने बांटे 72 परिवारों को फ्लैट

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में माफिया से मुक्त कराई गई भूमि पर सरदार वल्लभभाई पटेल आवासीय योजना का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह उन लोगों के लिए चेतावनी है जो माफिया को शार्गिद बनाते हैं, उनकी कब्र पर फातिहा पढ़ते हैं, वे गरीबों का शोषण करवाते हैं। अब यूपी में ऐसा नहीं चलेगा। हमने 2017 में ही तय कर लिया था कि यूपी की छवि बदलकर रहेंगे। जियामऊ, डालीबाग स्थित एकता वन में आयोजित भव्य समारोह में योगी ने दुर्बल आय वर्ग के 72 परिवारों को फ्लैट के आवंटन पत्र वितरित किए। इस दौरान उन्होने कहा कि यह केवल आवास वितरण नहीं, बल्कि संदेश है कि माफिया से छीनी गई भूमि पर गरीबों का आशियाना बनेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर कोई गरीबों की जमीन पर कब्जा करेगा, अगर कोई सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जा करके समाज को डराने–धमकाने का काम करेगा, तो लेने के देने पड़ जाएंगे। यह सरकार जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी दृढ़ता के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि यही नए भारत और नए उत्तर प्रदेश की पहचान है, जहां विकास के साथ धर्म, संस्कृति और परंपरा का संगम है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए योगी ने लोगों को कार्तिक पूर्णिमा की बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज लाखों श्रद्धालु गढ़मुक्तेश्वर, टिकरी, सुखतीर्थ, बदायूं, प्रयागराज, काशी, अयोध्या में स्नान कर पुण्य लाभ ले रहे हैं। काशी में सायं देव दीपावली पर देवता दीप जलाएंगे। योगी ने कहा कि इस पावन अवसर पर लखनऊ में माफिया से मुक्त भूमि पर लाभार्थियों को आवास देना सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि इस प्राइम लोकेशन पर लखनऊ विकास प्राधिकरण ने 10.70 लाख में फ्लैट दिए, इसकी कीमत बाजार में करीब एक करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि 8000 आवेदनों में 5700 आवदेन योग्य लोगों का था, इसमें से 72 को पहले आवंटन मिला है। मुख्यमंत्री ने सभी 72 लाभार्थियों को आवास की सुविधा मिलने पर उन्हें और उनके परिवारों को बधाई देते हुए कहा कि इन लोगों को अब अपना सिर उठाकर सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर मिला है। यह प्रधानमंत्री आवास योजना से कवर होगा तो यह और सस्ता व लाभकारी होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज लखनऊ में कितना सुंदर वातावरण बना है, कितने अच्छे पार्क विकसित हो चुके हैं। सरकार चाहती है कि हर नागरिक खुशहाली से अपना जीवन व्यतीत करे और प्रदेश के विकास में भागीदार बने। योगी ने कहा कि यह तो सिर्फ शुरुआत है अब यह अभियान पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर चलाया जाएगा ताकि हर गरीब, हर जरूरतमंद को उसका सम्मानजनक आवास मिल सके। माफियाओं पर जीरो टॉलरेंस नीति पर जोर देते हुए सीएम योगी ने कहा कि 2017 से तय किया था कि यूपी की नकारात्मक छवि बदलेंगे। अपराधी–अपराधियों पर जीरो टॉलरेंस नीति लागू करेंगे। 8.5 वर्षों में बिना रुके, बिना झुके माफियाओं पर कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि माफिया संविधान का अपमान करते, कानून का मजाक उड़ाते, अधिकारी भी उनके सामने झुक जाते थे। यही नहीं पूर्व सरकारें भी ऐसे माफियाओं के सामने घुटने टेकती थीं। उन्होंने कहा कि पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण, बुंदेलखंड क्षेत्र और हर जगह माफिया हावी थे, लेकिन आज ऐसा नहीं है। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जीरो टॉलरेंस की नीति ने इन माफियाओं की कमर तोड़ दी। उन्होने चेतावनी देते हुए कहा कि जो माफिया को सहानुभूति देते हैं, वे प्रदेश की क्षति कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जालिम माफिया किसी के नहीं हैं इनसे गरीब, शोषित, व्यापारी, बहन–बेटियां सब असुरक्षित हैं। सरकार ऐसे माफियाओं और उन्हें प्रक्षय देने वालों के खिलाफ कार्रवाई करती रहेगी। विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए योगी ने कहा कि जो लोग माफियाओं को शागिर्द बनाते थे और गरीबों का शोषण करवाते। आज उनकी कब्र पर फातिहा पढ़ते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज माफियाओं की कब्जे वाली संपत्ति जब्त कर गरीबों को घर बनवाया जा रहा है। साथ ही उन्होंने सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि प्रदेश में अबतक 60 लाख गरीबों को आवास दिए हैं। योगी ने कहा कि यूपी अनलिमिटेड पोटेंशियल वाला प्रदेश है। दंगे खत्म हुए और आज हर पर्व शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जा रहा है। दुनिया भर से उद्यमी निवेश को तैयार हैं।

पीएम मोदी से मुलाकात के लिए पहुंची विश्व विजेता भारतीय टीम

द. अफ्रीका को हराकर जीता खिताब

महिला विश्वकप 2025 की खिताब विजेता भारतीय टीम बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के लिए उनके आवास पहुंची है। टीम ने रविवार को नवी मुंबई में खेले गए फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर अपना पहला खिताब जीता था।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम मंगलवार को अपनी ऐतिहासिक जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के लिए दिल्ली स्थित उनके आवास पर पहुंची है। यहां पीएम मोदी उनको जीत की बधाई देंगे और उनसे बातचीत करेंगे। हरमनप्रीत कौर की अगुआई में रविवार को टीम इंडिया ने महिला वनडे विश्वकप 2025 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर पहली बार आईसीसी ट्रॉफी जीती थी। दिल्ली पहुंचने पर होटल में महिला टीम का ढोल–नगाड़ों और फूलों से भव्य स्वागत हुआ था। खिलाड़ियों और कोच अमोल मजूमदार ने केक काटकर जीत का जश्न मनाया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी पूरी टीम को बधाई दी थी और भारतीय क्रिकेट के इस ऐतिहासिक पल को देश की बेटियों की ताकत और सपनों की जीत बताया था। भारत ने महिला वनडे विश्वकप के 52 साल के इतिहास में पहली बार खिताब जीता है। इससे पहले टीम 2005 और 2017 में फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन ट्रॉफी नहीं जीत पाई थी।

मोदी ने देशवासियों को कार्तिक पूर्णिमा, देव दीपावली की शुभकामनाएं दी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को देशवासियों को कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली की शुभकामनाएं दीं। अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा किए गए एक संदेश में श्री मोदी ने कहा, "देश के अपने सभी परिवारजनों को कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली की कोटि–कोटि शुभकामनाएं। भारतीय संस्कृति और अध्यात्म से जुड़ा यह दिव्य अवसर हर किसी के लिए सुख, शांति, आरोग्य और सौभाग्य लेकर आए। पावन स्नान, दान–पुण्य, आरती और पूजन से जुड़ी हमारी यह पवित्र परंपरा सबके जीवन को प्रकाशित करे।"

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन को छत्तीसगढ़ राजभवन में गार्ड ऑफ ऑनर

रायपुर, एजेंसी। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन को छत्तीसगढ़ राज्य के अपने प्रथम दौरे के अवसर पर बुधवार को रायपुर स्थित राजभवन में गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। राज्य पुलिस बल की टुकड़ी ने सम्मान समारोह के दौरान पूर्ण अनुशासन और औपचारिकता के साथ गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत

किया। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका तथा अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया और छत्तीसगढ़ की जनता एवं शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने राज्य के विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में अपार संभावनाएं हैं और केंद्र सरकार राज्य के सर्वांगीण विकास हेतु निरंतर सहयोग करती रहेगी।

मिर्जापुर में कार्तिक पूर्णिमा से लौट रही 6 महिलाओं की ट्रेन से कटकर दर्दनाक मौत

मिर्जापुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में चुनाव रेलवे स्टेशन पर बुधवार को ट्रेन की चपेट में आने से छह महिलाओं की मौत हो गई। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि दुर्घटना सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुई जब यात्री चौपन एक्सप्रेस ट्रेन से पटरी वाली तरफ उतर गए। उन्होंने कहा कि इस दौरान वे सामने से आ रही नेताजी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए। सिंह ने बताया कि ये लोग कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए यहां आए थे। रेलवे ने कहा कि चोपन एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म संख्या चार पर रुकी और यात्री फुटओवर ब्रिज होने के बावजूद पटरी वाली ओर उतरने लगे। रेलवे ने एक बयान में कहा, ये यात्री कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए मिर्जापुर आए थे। फुटओवर ब्रिज होने के बावजूद, वे पटरियों से प्लेटफार्म पार कर रहे थे, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। राजकीय रेलवे पुलिस के निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने छह लोगों की मौत की पुष्टि की। मृतकों की पहचान सविता (28), साधना (16), शिव कुमारी (12), अंजू देवी (20), सुशीला देवी (60) और कलावती (50) के रूप में हुई है।

हरियाणा में 25 लाख वोट चोरी, बिहार में भी यही होगा

राहुल गांधी ने 'एच फाइल्स' शेयर करके लगाए फिर से ईसी पर गंभीर आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और 'वोट चोरी' के ताज़ा आरोप में 'एच फाइल्स' साझा कीं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में 25,41,144 लाख वोट चोरी के मामले सामने आए हैं। राहुल गांधी ने कहा, हमारे पास 'एच' फाइल्स शब्द है और यह इस बारे में है कि कैसे एक पूरे राज्य को चुरा लिया गया। हमें शक था कि यह किसी एक निर्वाचन क्षेत्र में नहीं, बल्कि राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर हो रहा है। हमें हरियाणा में अपने उम्मीदवारों से बहुत सारी शिकायतें मिलीं कि कुछ गड़बड़ है और काम नहीं कर रहा है। उनके सारे अनुमान उलट गए। हमने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में भी ऐसा ही अनुभव किया था, लेकिन हमने हरियाणा पर ध्यान केंद्रित करने और वहाँ जो हुआ उसके बारे में विस्तार से जानने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि सभी (एग्जिट) पोल कांग्रेस की जीत (हरियाणा में) की ओर इशारा कर रहे थे और दूसरी बात जो हमारे लिए आश्चर्यजनक थी, वह यह थी कि हरियाणा के चुनावी इतिहास में पहली बार डाक से वोट वास्तविक मतदान से अलग थे। उन्होंने कहा हरियाणा में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। इसलिए, हमने सोचा कि आइए विस्तार से बात करते हैं। जब मैंने पहली बार यह जानकारी देखी, जो आप देखने जा रहे हैं, तो मुझे यकीन नहीं हुआ। मैं सदमे में था... मैंने टीम को कई बार दोबारा जाँच करने के लिए कहा। राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें पूरा यकीन है कि कांग्रेस की भारी जीत को हार में बदलने की एक योजना बनाई गई थी। उन्होंने कहा मैं चाहता हूँ कि भारत के युवा, जेनरेशन जेड इसे अच्छी तरह समझ लें क्योंकि यह आपके भविष्य का सवाल है...मैं चुनाव आयोग और भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठा रहा हूँ, इसलिए मैं इसे 100: सबूतों के साथ कर रहा हूँ। हमें पूरा यकीन है कि कांग्रेस की भारी जीत को हार में बदलने की एक योजना बनाई गई थी...कृपया उनके (मुख्यमंत्री नायब सैनी) चेहरे पर मुस्कान और उस श्व्यवस्थाश पर ध्यान दें जिसकी वह बात कर रहे हैं।

घूस के पैसे से शेयरों में निवेश कर कमाया मुनाफा भी अपराध से अर्जित आय है : दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि घूस के पैसे से शेयर बाजार में निवेश करके कमाए गए मुनाफे को अपराध से अर्जित आय माना जाएगा और यह धन शोधन अपराध है। अदालत ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति ने रिश्वत की राशि से निवेश किया है, तो उसकी कीमत बढ़ने पर भी उस धन का अवैध स्रोत शुद्ध नहीं हो जाता और यह बढ़ी हुई राशि भी उसी अवैध स्रोत से जुड़ी होती है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने तीन नवंबर को दिए फैसले में कहा, "धन शोधन एक सतत अपराध है, जो केवल अवैध धन अर्जित करने की प्रारंभिक क्रिया तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें उस धन के विभिन्न लेनदेन भी शामिल है।" पीठ ने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई सरकारी अधिकारी रिश्वत लेकर उसे शेयर बाजार, रियल एस्टेट या मादक पदार्थ के धंधे में लगाता है, तो धन की अवैधता समाप्त नहीं होती और ऐसी पूरी राशि जब्ती योग्य होती है। अदालत ने कहा, "यदि रिश्वत का पैसा शेयर बाजार में निवेश कर दिया जाए और बाद में उसका मूल्य बाजार परिस्थितियों के कारण बढ़ जाए, तो पूरा बढ़ा हुआ धन भी अपराध से अर्जित आय माना जाएगा।"

आमंत्रण

लोकरंजन प्रकाशन और शहर समता विचार मंच

के संयुक्त तत्वावधान में

लोकार्पण एवं काव्यगोष्ठी

वरिष्ठ कवयित्री प्रेमाराय के कहानी - संग्रह
'रिश्तो का अन्तर्नाद' का लोकार्पण

अध्यक्षता - वरिष्ठ साहित्यकार अनवार अब्बास नकवी
मुख्य अतिथि - डॉ ऊषा मिश्रा,
विशिष्ट अतिथि - डॉ कल्पना वर्मा, प्रो. रवि कुमार मिश्रा, डॉ प्रदीप चित्रांशी

दिन - रविवार 9 नवम्बर 2025
समय - दिन में 2 बजे से

स्थान - हिन्दुस्तानी एकेडमी का सभागार

लोकरंजन प्रकाशन रंजन पाण्डेय डॉ आदित्य नारायण सिंह
साहित्यिक संयोजक रचना सक्सेना
कार्यक्रम संयोजक संजय सक्सेना
संस्थापक एवं संपादक उमेश श्रीवास्तव

अंडरवियर पहने चोर ने 8 लाख के मोबाइल चुराए

प्रयागराज में शरीर पर तेल लगाकर घुसा, 10 मिनट में की वारदात

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में मोबाइल शॉप से 10 मिनट में 8 लाख के मोबाइल चोरी हो गए। चोरी का टप्क्म्द बुधवार को सामने आया। इसमें दिख रहा है कि एक युवक मोबाइल शॉप में अंडरवियर पहनकर पहुंचता है। पहले वह दुकान के अंदर के

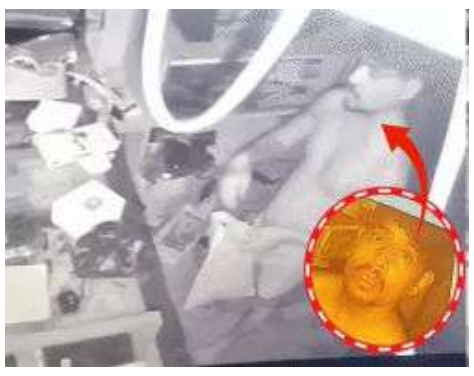

दराज खोलता है। उसे चेक करता है। फिर मोबाइल की रोशनी में पूरी दुकान खंगालने लगता है। करीब 10 मिनट तक वह मोबाइल शॉप से सामान निकालकर कोने में रखे एक कैरीबैग में भरता है। इसके बाद तेजी से वहां से निकल जाता है। वारदात के दौरान आरोपी ने अपना चेहरा तक नहीं ढंका। कोई उसे पकड़ न पाए, इसलिए उसने पूरी बॉडी पर तेल लगा रखा था। वारदात 2 नवंबर को थरवई थाना क्षेत्र की है। चोरी की यह वारदात प्रयागराज के थरवाई थाना क्षेत्र के गारापुर चौराहे के पास हुई है। गारापुर के रहने वाले भारत लाल की चौराहे पर राज मोबाइल शॉप रिपेयरिंग सेंटर के नाम से दुकान है। वह 1 नवंबर की रात को दुकान बंद करके घर चले गए। 2 नवंबर तड़के करीब 3 बजे एक युवक छत के रास्ते होल करके दुकान के अंदर कूद गया। चोर मोबाइल चोरी करके फरार हो गया। रविवार सुबह 9 बजे जब भारत लाल दुकान पर पहुंचे तो सारा सामान फैला हुआ था। देखा दुकान की छत के किनारे की दीवार में बड़ा से होल किया गया है। जब उन्होंने दुकान के शो केस में देखा करीब 45 मोबाइल गायब थे। भारत लाल ने कहा– दुकान में जगह–जगह पर तेल दिखाई दे रहा था। सामानों पर भी तेल लगा था। सीसीटीवी देखने पर शक हुआ कि आरोपी ने शरीर पर तेल लगा था, ताकि कोई उसे पकड़ना चाहे तो वह फिसल कर भाग जाए। उसने 10 मिनट के अंदर लाखों की चपत लगा दी। उन्होंने बताया– चोरी हुए मोबाइल की कीमत 8 लाख के आसपास है। इसमें 16 हजार से लेकर 35 हजार तक के मोबाइल हैं। दुकान के अंदर 35 से 40 हजार रुपए कैश ले गए। सूचना पर पुलिस ने पूरे मामले की जांच पड़ताल की। सीसीटीवी खंगाले तो आरोपी चोर उसमें कैद था।

शिक्षक एमएलसी चुनाव की मतदाता सूची पर मांगी जानकारी

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शिक्षक एमएलसी चुनाव में शॉर्ट टर्म टीचिंग वाले अध्यापकों को मतदाता सूची में शामिल नहीं करने की मांग में दाखिल याचिका पर राज्य सरकार से जानकारी मांगी है। कोर्ट ने स्थायी अधिवक्ता से यह जानकारी प्राप्त करने को कहा है कि विधान परिषद के निर्वाचक मंडल में मांगे गए सुधार क्या हैं, जिसका चुनाव निकट भविष्य में होने वाला है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजीत कुमार एवं न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने वाराणसी के सुधांशु शेखर त्रिपाठी की याचिका पर

उनके अधिवक्ता संतोष कुमार उपाध्याय व ऋषभ कुमार पांडेय को सुनकर दिया है। साथ ही मामले में ध्अगली सुनवाई के लिए 28 नवंबर की तारीख लगाई है। याचिका में मांग की गई है कि शिक्षक एमएलसी चुनाव की मतदाता सूची केवल छह साल में तीन वर्ष रेगुलर टीचिंग करने वाले अध्यापकों को ही शामिल किया जाए। शॉर्ट टर्म टीचिंग वाले अध्यापकों को इसकी वोटर लिस्ट में शामिल न किया जाए। एडवोकेट संतोष कुमार उपाध्याय ने कोर्ट को बताया कि शिक्षक एमएलसी के लिए निकट भविष्य में चुनाव होना है। प्रावध ान के अनुसार इसमें वही अध्यापक मतदाता सूची में शामिल हो सकते हैं, जिन्होंने छह वर्ष में तीन साल लगातार नियमित रूप से अध्यापन कार्य किया है। उनका कहना था कि शॉर्ट टर्म टीचिंग वाले अध्यापकों को इस चुनाव की मतदाता सूची में शामिल नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कोर्ट को बताया कि चुनाव जीतने के लिए शॉर्ट टर्म टीचिंग वाले अध्यापकों को भी मतदाता सूची में शामिल कर लिया जाता है, जो अनुचित है।

शादी का झूठा वायदा कर संबंध बनाना दुष्कर्म- हाईकोर्ट

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शादी का झूठा वायदा कर यौन संबंध बनाने के आरोपी के खिलाफ दायर चार्जशीट को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि अगर शुरू से ही शादी का वायदा झूठा था और एकमात्र उद्देश्य पीड़िता की सहमति हासिल करना था, तो ऐसा यौन संबंध बलात्कार की श्रेणी में आयेगा। यह आदेश न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना ने दिया। गोरखपुर

के सहजनवां थाना क्षेत्र की पीड़िता ने 17 जनवरी 2024 को रवि पाल, उसके भाई अंकित पाल, पिता महेंद्र पाल और माँ मुन्नी देवी के खिलाफ बलात्कार और साजिश के आरोप में एफआईआर दर्ज कराया था। कहा कि आरोपी ने उससे शादी का झूठा वादा करके 21 नवंबर 2023 को अपने घर पर, 23 नवंबर को एक होटल में और फिर दिसंबर में दिल्ली ले जाकर बार–बार दुष्कर्म किया और 3 जनवरी 2024 को आरोपी ने उसे दिल्ली में अकेला छोड़ दिया। आरोपी रवि पाल ने हाईकोर्ट में धारा 482 सीआरपीसी के तहत याचिका दायर कर चार्जशीट और मुकदमे की कार्यवाही को रद्द करने की मांग की थी। उनके वकील ने दलील दी कि संबंध सहमति से थे। एफआईआर में देरी हुई है और पीड़िता ने आरोपी को फंसाने के लिए झूठा मामला रचा है। पीड़िता के अधिवक्ता ने दलील दी कि आरोपी ने शादी का झूठा वायदा कर संबंध बनाया था। झूठे वादे पर मिली सहमति से वैध सहमति नहीं कहा जा सकता । हाईकोर्ट ने कहा कि एफआईआर और पीड़िता के बयानों से साफ जाहिर है कि आरोपी ने शादी का झूठा वादा करके ही उसकी सहमति हासिल की। कोर्ट ने कहा कि यह मामला सहमति से बने यौन संबंधों वाला नहीं है, बल्कि झूठे वायदे के आधार पर सहमति ली गई थी, जो प्रथम दृष्टया बलात्कार की श्रेणी में आता है। कोर्ट ने आरोपी रवि पाल की याचिका खारिज कर दी।

देव दीपावली पर संगम तट पर हाई अलर्ट, दो ड्रोन से निगरानी, 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे एक्टिव

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में देव दीपावली की रात संगम तट लाखों दीपों से जगमगाएगा। इस दिन यहां हजारों लोगों की भीड़ उमड़ने की संभावना है। भीड़ के उसी अनुपात में सुरक्षा भी बढ़ाई गई है। प्रयागराज पुलिस ने संगम और उसके आसपास के इलाकों में हाईटेक सिक्योरिटी सिस्टम एक्टिव कर दिया है। दो ड्रोन कैमरे ऊपर से रीयल टाइम निगरानी करेंगे, जबकि 100 से ज्यादा ब्ब्ज्ट कैमरे संगम मार्ग, घाटों और पार्किंग जोन पर लगाए गए हैं।

संगम, अरैल और झूंसी तट को तीन सुरक्षा जोन में बांटा गया है। हर जोन में एसीपी रैंक के अधिकारी के पास सुरक्षा व्यवस्था की कमान रहेगी। सभी कैमरों और ड्रोन की फीड मेला क्षेत्र स्थित कंट्रोल सेंटर में लाइव मॉनिटर की जाएगी।

दो हाई–रिजॉल्यूशन ड्रोन कैमरे लगातार भीड़ की मूवमेंट मॉनिटर करेंगे। ये ड्रोन संगम आरती स्थल और मुख्य स्नान क्षेत्र पर फोकस करेंगे ताकि किसी भी भीड़भाड़ या आपात स्थिति पर तुरंत प्रतिक्रिया दी जा सके।

संगम में जल पुलिस की मोटरबोट लगातार गश्त करेगी। 10 गोताखोरों की टीम भी तैयार है, जो किसी भी इमरजेंसी में रेस्क्यू ऑपरेशन संभालेगी। पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे स्नान के दौरान डीप वाटर बैरिकेडिंग से आगे न जाएं।

अग्निशमन विभाग की मोबाइल यूनिट और एक फायर टेंडर घाट के नजदीक स्टैंडबाय पर रहेंगे। साथ ही स्वास्थ्य विभाग की एंबुलेंस और मेडिकल टीम भी मौके पर मौजूद रहेगी। कंट्रोल पॉइंट्स से इन सभी यूनिट्स को जोड़ा गया है ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत एक्शन लिया जा सके।

संगम तट की ओर जाने वाले सभी प्रमुख रास्तों पर 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। पुलिस की मोबाइल पेट्रोलिंग यूनिट्स लगातार राउंड कर रही हैं। आवागमन में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और यातायात सामान्य रहे इसके लिए यातायात पुलिस कर्मियों की भी तैनाती संगम तट तक जाने वाले मार्गों पर की गई है। एडिशनल सीपी डॉ. अजयपाल शर्मा ने बताया कि सुरक्षा को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था की मॉनिटरिंग खुद आला अफसर कर रहे हैं।

करोड़पति गनर की करप्शन कहानी में 22 गवाह, एक SP समेत छह पुलिसवाले, रियल एस्टेट कंपनी के डायरेक्टर भी शामिल

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के पूर्व अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि के चर्चित करोड़पति गनर अजय कुमार सिंह पर करप्शन मामले में जो चार्जशीट दाखिल हुई, उसके कुल 22 गवाह सामने आए है। इनमें एक एसपी समेत छह पुलिसवाले शामिल हैं। गवाहों की लिस्ट में प्रयागराज के एक बड़े बिल्डर का भी नाम शामिल है। 16 प्राइवेट लोगों को भी बनाया गवाह

एंटी करप्शन थाना प्रयागराज में दर्ज इस मुकदमे की इनवेस्टिगेशन के दौरान 22 लोगों की गवाही दर्ज की गई। इनमें एक पड़ोसी जिले के एसपी समेत कुल छह पुलिसवाले शामिल हैं। एसपी के अलावा चार इंस्पेक्टर और एक हेड कांस्टेबल के बयान दर्ज किए गए। 16 प्राइवेट लोगों की भी गवाही दर्ज की गई। इनमें प्रयागराज शहर के जार्जटाउन की एक नामी रियल इस्टेट कंपनी के डायरेक्टर भी शामिल हैं। इसी बिल्डर के अपार्टमेंट में आरोपी दीवान अजय का एक फ्लैट भी है।

तीन राज्यों, यूपी के पांच जिलों में फैला जांच का दायरा

सूत्रों का कहना है कि इस मुकदमे की जांच का दायरा तीन राज्यों और पांच जिलों तक फैला है। जांच के क्रम में पुलिस टीमें न सिर्फ यूपी बल्कि बिहार के बक्सर और मप्र के रीवा जिले में भी गईं। प्रयागराज के अलावा यूपी के जिन चार जिलों में जांच करने वाली टीम पहुंचीं, उनमें चंदौली, बलिया, जौनपुर, लखनऊ शामिल रहे।

जितना कमाया, उससे 23.5 फीसदी ज्यादा उड़ाए

सूत्रों के मुताबिक, जांच में यह पाया गया कि अजय ने अपनी वैध आय के मुकाबले 23.5: अधिक संपत्ति अर्जित की। इस बाबत जब उससे एक्स्ट्रा इनकम का सोर्स मांगा गया तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। इसी आधार पर उसके खिलाफ मुकदमे में चार्जशीट लगा दी गई। उस पर 17 जुलाई 2023 को मुकदमा दर्ज किया गया था। महंत की मौत के बाद जब उनके करोड़पति गनर की संपत्तियों का ब्यौरा सामने आया, तो विभाग भी हैरान रह गया था।

पिस्टल, फ्लैट और लग्जरी गाड़ियां

जांच में सामने आया था कि अजय ने लाइसेंसी पिस्टल भी विभागीय अनुमति के बिना खरीदी थी। आरोप यह भी है कि उसने अल्लापुर स्थित फ्लैट, फॉर्च्यूनर, अल्टो और बुलेट मोटरसाइकिल भी नियमों विरुद्ध तरीके से खरीदी। जांच अधिकारी को उन्होंने किसी भी खरीद की अनुमति का दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया।

गृह विभाग के आदेश पर हुई थी खुली जांच

महंत नरेंद्र गिरि की मौत के बाद अजय सिंह पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप लगे थे। शिकायत शासन तक पहुंचने पर दिसंबर 2022 में गृह विभाग ने जांच के आदेश दिए। जनवरी 2023 में भ्रष्टाचार निवारण संगठन के मुख्यालय ने जांच की जिम्मेदारी इंस्पेक्टर ठाकुरदास को सौंपी।

26.78 लाख रुपये कहां से आए?

खुली जांच में पाया गया था कि अजय ने निर्धारित अवधि में वैध स्रोतों से 95.79 लाख रुपये की आय अर्जित की। जबकि इस दौरान उसने 1.22 करोड़ रुपये खर्च किए। यानी 26.78 लाख रुपये (करीब 28:) अधिक खर्च किए। प्रारंभिक जांच में वह अपनी आय और खर्च के बीच इस भारी अंतर का संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सका था।

चार्जशीट में 23.5: संपत्ति का नहीं दे सके स्रोत

सूत्रों के मुताबिक, विवेचना के दौरान अजय ने कुछ संपत्तियों के लिए आंशिक स्पष्टीकरण दिया, जिससे लगभग 5: संपत्ति का स्रोत स्पष्ट हुआ। हालांकि 23.5: अतिरिक्त अर्जित आय के लिए वह कोई वैध दस्तावेज नहीं दे सका।

जिन धाराओं में चालान हुआ, वह क्या कहती हैं...

इस मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(1)(बी) व 13(2) के तहत चार्जशीट लगाई गई है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(1)(इ) के तहत, एक लोक सेवक आपराधिक कदाचार का दोषी होता है यदि वह अपने पद का दुरुपयोग करके अवैध रूप से स्वयं को समृद्ध करता है, यानी अपनी ज्ञात आय के स्रोतों के अनुपात में बहुत अधिक संपत्ति अर्जित करता है और इसे सही नहीं ठहरा पाता है।

धारा 13(1)(इ) का उल्लंघन करने पर धारा 13(2) के तहत दंडनीय होता है, जिसमें न्यूनतम चार और अधिकतम दस साल की कैद के साथ जुर्माना भी शामिल हो सकता है।

प्रयागराज में गुरु गोविंद सिंह का प्रकाश पर्व मना

खुल्दाबाद गुरुद्वारे में गुरु वाणी गूंजी, उमड़ी आस्था की भीड़

प्रयागराज (संवाददाता)। गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का प्रकाश पर्व प्रयागराज में भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। खुल्दाबाद स्थित गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पूरे गुरुद्वारे परिसर को फूलों और झालरों से सजाया गया था। श्री गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह ने बताया कि इस पावन अवसर पर अखंड पाठ साहिब का समापन हुआ। इसके बाद शबद कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें प्रसिद्ध रागी जत्थों ने गुरु वाणी का मधुर गायन कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

भोर में पांच प्यारों की अगुवाई में एक भव्य नगर कीर्तन निकाला गया। यह कीर्तन शहर के मुख्य मार्गों से होता हुआ पुनः गुरुद्वारा परिसर में पहुंचा। इस दौरान ष्जो बोले सो निहाल, सत श्री अकालष् के जयघोष से पूरा इलाका गूंज उठा।

हरजिंदर सिंह ने यह भी बताया कि दिनभर गुरु का लंगर चलता रहा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रेम पूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। गुरुद्वारे में चरणामृत और कड़ा प्रसाद का भी वितरण किया गया।

प्रकाश पर्व के दौरान युवा सेवादारों ने पूरे मनोयोग से श्रद्धालुओं की सेवा की। इनमें महिलाएं, पुरुष और बच्चियां भी शामिल थीं, जिन्होंने जल वितरण, जूता घर की सेवा, लंगर व्यवस्था और सफाई जैसे कार्यों

में योगदान दिया। बच्चों और महिला संगत ने गुरुबाणी पाठ प्रस्तुत कर वातावरण को और भी भक्तिमय बनाया।

कार्यक्रम में सिख समाज के प्रमुख पदाधिकारी, महिला विंग, युवा सेवा दल और शहर के अन्य गुरुद्वारों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद रहे। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए थे।

प्रयागराज में 5 लाख से अधिक दीपों से जगमगाएगा संगम

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में देव दीपावली के ऐतिहासिक पर्व की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। बुधवार शाम संगम तट पर 5 लाख 30 हजार दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे, जिससे पूरा शहर रोशनी से जगमगा उठेगा। हालिया बाढ़ के कारण घाटों पर गीली मिट्टी एक चुनौती थी, लेकिन लगातार चले अभियान के बाद अब तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। नगर निगम और प्रशासनिक अधिकारियों की टीमें पिछले कई दिनों से घाटों पर तैनात थीं। मजदूरों ने लगातार समतलीकरण, सफाई और मिट्टी सुखाने का कार्य किया। ट्रैक्टरों और पंपों की सहायता से गीली मिट्टी हटाई गई, जिससे अब घाट दीपों की

सजावट के लिए पूरी तरह तैयार हैं। प्रशासन के अनुसार, इस बार संगम की रेत पर दीपों का नजारा पहले से भी अधिक भव्य होगा। मेयर गणेश केशरवानी ने बताया कि देव दीपावली को भव्य और सुरक्षित बनाने के लिए सभी विभागों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। संगम क्षेत्र को 15 सेक्टरों में विभाजित किया गया है, जिसमें विभिन्न संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों को घाटों की देखरेख का जिम्मा दिया गया है। नगर निगम के पार्षद भी अपने–अपने वार्डों के घाटों पर निगरानी रखेंगे। जिलाधिकारी, कमिश्नर, पुलिस कमिश्नर और नगर निगम के उच्च अधिकारी लगातार घाटों का निरीक्षण कर रहे हैं। यातायात, सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था और पार्किंग के लिए भी विशेष योजनाएं बनाई गई हैं। पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती के साथ एनडीआरएफ की टीमें भी मौजूद रहेंगी ताकि किसी भी अप्रिय घटना या अव्यवस्था को रोका जा सके। शुरुआती दिनों में कुछ घाटों पर बाढ़ की गीली मिट्टी के कारण दीप सजावट का कार्य प्रभावित हुआ था, लेकिन अब उन स्थानों पर भी समतलीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है। प्रयागराज प्रशासन का दावा है कि इस वर्ष देव दीपावली का आयोजन केवल आस्था का प्रतीक ही नहीं, बल्कि स्वच्छता और सुंदरता का भी उदाहरण बनेगा। आज शाम लाखों दीपों के एक साथ प्रज्ज्वलित होने पर संगम तट रोशनी से जगमगा उठेगा।

जूनियर एडेड टीचर भर्ती : 15 नवंबर से आवेदन शुरू

प्रयागराज (संवाददाता)। यूपी में जूनियर एडेड शिक्षक भर्ती–2021 की विज्ञप्ति 3 नवंबर को जारी कर दी गई है। प्रदेश के विभिन्न स्कूलों से आए अधियाचन इसमें शामिल किए गए हैं। आवेदन प्रक्रिया 15 नवंबर से शुरू होगी। विज्ञप्ति जारी होने के

बाद जहां अभ्यर्थियों में खुशी की लहर दौड़ गई। वहीं कई वर्गों का आरक्षण शून्य होने से निराशा भी देखने को मिल रही है। भर्ती के प्रदेश अध्यक्ष नागेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि ईडब्ल्यूएस, एसटी और क्षैतिज आरक्षण (पूर्व सैनिक, दिव्यांग एवं स्वतंत्रता सेनानी आश्रित) वर्गों को शून्य घोषित किया गया है। इसके अलावा ओबीसी और अनुसूचित जाति वर्गों का आरक्षण भी कम दर्शाया गया है। उन्होंने कहा– शासन स्तर पर बातचीत में यह कहा गया कि स्कूल को भर्ती की इकाई मानने के चलते कई वर्गों को आरक्षण नहीं मिल पाया है। जबकि टीजीटी–पीजीटी की भर्ती में भी यही व्यवस्था लागू होती है और वहां सभी वर्गों को आरक्षण का लाभ मिलता है। 19 सितंबर को जारी हुए संयुक्त सचिव के शासनादेश में सभी वर्गों को अद्यतन आरक्षण देने की बात कही गई थी। ऐसे में अचानक आरक्षण व्यवस्था में बदलाव को लेकर अभ्यर्थी सवाल उठा रहे हैं। अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी है कि यदि सभी वर्गों को उचित और संवैधानिक आरक्षण नहीं दिया गया तो वे न्यायालय की शरण लेंगे। इस दौरान डॉ. राजेश सिंह, जितेंद्र शुक्ला, नवरत्न पाण्डेय, विपिन और महेंद्र यादव सहित कई अभ्यर्थी मौजूद रहे।

कार्तिक पूर्णिमा पर लाखों श्रद्धालुओं ने संगम में किया स्नान

प्रयागराज में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम तट पर पवित्र स्नान किया। भोर की पहली किरण के साथ ही संगम पर भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा, जहां उन्होंने हर–हर गंगे और जय मां गंगे के जयघोष के साथ डुबकी लगाई। संगम के अतिरिक्त दारागंज, अरैल, झूंसी, नवाबगंज, रसूलाबाद, फाफामऊ और करेली सहित सभी प्रमुख घाटों पर भी तड़के से ही स्नान और दीपदान का क्रम जारी रहा। स्नान के उपरांत श्रद्धालुओं ने भगवान विष्णु और भगवान शिव की पूजा–अर्चना की। विभिन्न स्थानों पर संतों और महात्माओं

द्वारा प्रवचन दिए गए, साथ ही भंडारे और हरिकीर्तन का भी आयोजन किया गया। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, कार्तिक पूर्णिमा का दिन भगवान विष्णु और भगवान शिव की उपासना के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। स्कंद पुराण में वर्णित है कि इस दिन संगम स्नान से जन्म–जन्मांतर के पापों का क्षय होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसी धार्मिक महत्व के कारण प्रतिवर्ष देशभर से लाखों श्रद्धालु प्रयागराज में संगम स्नान के लिए आते हैं। शाम होते ही संगम तट पर देव दीपावली का भव्य नजारा देखने को मिलेगा। लगभग 10 लाख दीपों से पूरे संगम क्षेत्र को रोशन करने की तैयारी है। अरैल घाट पर परमार्थ निकेतन द्वारा विशेष गंगा आरती का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश–विदेश के संत–महात्मा, साधु–संत और हजारों श्रद्धालु शामिल होंगे। इस दौरान संगम तट दीपों की झिलमिलाहट से आकाश के तारों जैसा दृश्य प्रस्तुत करेगा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए हैं। घाटों पर एनडीआरएफ, जल पुलिस और गोताखोरों की टीमें तैनात हैं। ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है, जबकि स्वास्थ्य विभाग की एम्बुलेंस और राहत दल भी मुस्तैद हैं।

भयहरण नाथ धाम में वार्षिक अधिवेशन 5 दिसंबर को

प्रबन्ध समिति की तैयारी बैठक 9 नवंबर को

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम का वार्षिक अधिवेशन गत वर्षो की भाँति विश्व स्वयम सेवक दिवस के अवसर पर 9 नवंबर को भव्यता से मनाया जायेगा। वार्षिक अधि

ावेशन में बीते वार्षिक कार्य योजना की समीक्षा व भावी योजना तय की जायेगी। अधिवेशन में प्रबन्ध संस्था भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के पदाधिकारी, सदस्य व संरक्षक गण सहित मन्दिर व मेला समिति के सदस्य गण प्रतिभाग कर चर्चा व निर्णय में प्रतिभाग करेंगे। यह जानकारी देते हुए महासचिव समाज शेखर ने बताया की नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव व धाम की प्रबंध समिति के अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल व कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह के मार्गदर्शन में सभी सदस्य व पदाधिकारी अधिवेशन में प्रतिभाग करेंगे। नगर पंचायत व पुलिस विभाग सहित संबंधित सहयोगी विभागों व संस्था को भी आमंत्रित किया जायेगा। द्वितीय सत्र में प्रतापगढ़ का पांडव कालीन इतिहास (भयहरण नाथ धाम के विशेष संदर्भ में)पर बिद्वत संगोष्ठी का आयोजन होगा जिसमे जनपद व आस पास के पुरातत्वविद व इतिहासकार संबोधित कर सभी का मार्गदर्शन करेंगे। इस अवसर पर नये सदस्यता ग्रहण व पुरानी सदस्यता का नवीनीकरण कार्य भी संपन्न होगा।

भूमि विवाद मे मारपीट महिला गंभीर रूप से घायल

भोपा। सचर्चित गांव सीकरी मे रोज नए विवाद तथा मारपीट की घटनाएं आम हैं। बुधवार को भूमि के विवाद मे आधा दर्जन आरोपियों ने तीन व्यक्तियों पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर एक महिला को लहूलुहान कर दिया। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

भोपा थाना क्षेत्र के गांव सीकरी निवासी महिला मोहसिना ने बताया की बुध ावार की सुबह वह पति यामीन अंसारी व पोता सुहेल खेत मे फसल की बुआई कर रहे थे।तभी दूसरे पक्ष के आधा दर्जन से अधिक व्यक्ति वहां आये और रंजीशन गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने धारदार हथियारो से हमला बोल दिया। जिसमे तीनो घायल हो गये।पीड़िता मोहसिना ने बताया की आरोपियों ने उसकी गर्दन पर वारकर हत्या का प्रयास किया है। लहूलुहान हालत मे घायलों को भोपा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर लाया गया। पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

आरटीओ ने बिना परमिट-ओवरलोड वाहन पकड़े

7 वाहनों पर ओवरहाइट और एचएसआरपी न होने पर चालान

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के किसान पथ पर बुध ावार को क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) की टीम ने सुबह से ही चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान सड़क पर गुजर रहे मालवाहक और निजी वाहनों की गहन जांच की गई। आरटीओ की यह कार्रवाई मुख्य रूप से उन वाहनों के खिलाफ थी जो ओवरलोड, बिना परमिट या ऊंचाई सीमा से अधिक माल लेकर चल रहे थे। अभियान के दौरान आरटीओ अधिकारियों ने दो ओवरलोड वाहनों को जब्त किया। एक वाहन को बिना वैध परमिट के संचालन करते हुए पकड़ा गया और मौके पर ही सीज कर लिया गया। इसके अलावा सात अन्य वाहनों पर ओवरहाइट, नंबर प्लेट पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट न होने और अन्य नियम उल्लंघनों के लिए चालान किया गया। अभियान के दौरान कई वाहनों की जांच की गई, जिससे किसान पथ पर कुछ देर के लिए ट्रैफिक की रफ्तार धीमी हो गई। आरटीओ टीम ने मौके पर मौजूद ड्राइवरों को आवश्यक दस्तावेज रखने और ओवरलोड से बचने की सख्त हिदायत दी। अधिकारियों ने कहा कि ओवरलोडिंग न सिर्फ वाहन की उम्र घटाती है बल्कि सड़क हादसों का भी बड़ा कारण बनती है। एआरटीओ प्रवर्तन राजीव बंसल ने बताया कि यह अभियान सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिना परमिट, ओवरलोड और ओवरहाइट वाहन सड़क पर खतरा पैदा करते हैं, इसलिए इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। आगे भी लखनऊ में ऐसे अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे ताकि परिवहन नियमों का पालन सुनिश्चित हो और आमजन को सुरक्षित यातायात का माहौल मिल सके।

नाम बदलकर दोस्ती फिर ब्लैकमेल कर ठगा, छात्रा ने डीसीपी से की शिकायत

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में एक छात्रा ने युवक पर नाम बदलकर दोस्ती करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि युवक ने झूठी पहचान बनाकर पहले दोस्ती की, फिर आपत्तिजनक तस्वीरें खींचकर ब्लैकमेल और छेड़छाड़ शुरू कर दी। जब सच्चाई सामने आई तो युवक ने फोटो वायरल करने और परिवार को जान से मारने की धमकी दी। छात्रा इसकी शिकायत करने थाना पुलिस के पास जाती तो उसकी बात न सुनी जाती। परेशान छात्रा ने अब डीसीपी दक्षिणी से न्याय की गुहार लगाई है। युवती ने बताया कि कुछ महीने पहले सोशल मीडिया के जरिए उसकी मुलाकात एक युवक से हुई, जिसने अपना नाम मिश्रा बताया। बातचीत बढ़ने के बाद युवक ने भरोसे का फायदा उठाकर उसकी कुछ आपत्तिजनक तस्वीरें खींच लीं।

संस्कार भारती प्रयागराज महानगर इकाई की भव्य दिपावली परिवार मिलन समारोह संपन्न

संस्कार भारती के सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कवि सम्मेलन ने मचाई धूम

प्रयागराज। संस्कार भारती प्रयागराज महानगर इकाई की ओर से महाराष्ट्र लोक सेवा मंडल के सभागार में दीपावली परिवार मिलन समारोह इकाई की महिला शक्ति संयोजिका रंजना त्रिपाठी के ध्येयगीत से आरंभ हुआ। इकाई के संरक्षक डा0 योगेन्द्र कुमार मिश्र षविश्वबन्धुष ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष डा0 जयन्त खोत,विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय संगीत विभागाध्यक्ष प्रो0 प्रेमकुमार मलिक का पुष्पहार एवं अंगवस्त्र से स्वागत किया।प्रयागराज महानगर की अध्यक्ष डा0 ज्योति मिश्रा ने अपने स्वागत उद्बोध ान से समस्त अतिथिगण का स्वागत किया। प्रतिष्ठित तबला गुरू एवं प्रयागराज घराने के संस्थापक पं0 अनूप बनर्जी और उनके शिष्यों ने गणेश वन्दना के साथ भाव–नृत्य की प्रस्तुति दी। विश्वविद्यालय इकाई के पंकज कुमार तथा संतोष पाण्डेय के भजनों ने श्रोताओं को मन्त्रमुग्ध ा कर दिया एवं रंजना त्रिपाठी ने लोकगीतों की शानदार प्रस्तुति से सबको आल्हादित कर दिया।सांस्कृतिक कार्यक्रम उपरांत वरिष्ठ गीतकार एवं इकाई के कोषाध्यक्ष शंभूनाथ श्रीवास्तव के अध्यक्षता में कवि–सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें विख्यात कवि नजर इलाहाबादी,शरद श्रीवास्तव, हृदय नारायण पाण्डेय ष्अनजानष एवं प्रख्यात कवि–कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने अपनी शानदार कविताएं सुनाकर दर्शकों की तालियां बटोरी। संस्कार भारती के पदाधि ाकारी सुशील कुमार राय, प्रेमलता मिश्रा,रेखा तिवारी, डॉ सचिन सैनी, प्रियंका चौहान, रागिनी चंद्रा, कैलाशनाथ श्रीवास्तव, पूनम राय, मंजुला सक्सेना, राजकुमारी कुशवाहा एवं सौम्या चौरसिया आदि ने कार्यक्रम में उपस्थित रहकर कलाकारों का उत्साह वर्धन किया। आभार–ज्ञापन इकाई के महामंत्री विभव शंकर एवं मंच–संचालन डा0 अशोक शुक्ला ने किया।

भूगोल विभाग में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन

प्रयागराज। प्रो राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के भूगोल विभाग में एक दिवसीय सेमीनार "हाइड्रो–मेट्रोलॉजिकल हजार्ड एंड डिजास्टर" विषय पर आयोजित किया गया । जिसकी अध्यक्षता, दिशानिर्देश एवं मार्गदर्शन माननीय कुलपति डॉ अखिलेश कुमार सिंह जी के द्वारा की गई । " पर्यावरण संरक्षण के लिए केवल जागरूकता ही काफी नहीं है अपितु जमीनी स्तर पर प्रकृति संरक्षण और उसके प्रबंधन की महती आवश्यकता है, प्राकृतिक संसाधनों का उवित संरक्षण और उनको क्षरण से बचाना भी हमारा परम कर्तव्य है" उक्त वक्तव्य कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, भूगोल विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. अनुपम पाण्डेय जी ने कहा । जिसमें अधिष्ठाता कला संकाय प्रो विवेक कुमार सिंह जी ने जल संरक्षण के उपाय के संबंध में बात की तथा मुख्य कुलानुशासक प्रो राजकुमार गुप्त जी ने भूजल संरक्षण की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला तत्पश्चात भूगोल विभाग की कोर्स समन्वयक डॉ श्वेता श्रीवास्तव ने विषय प्रवर्तन किया तथा छात्रों को जल संरक्षण उसके प्रबंधन एवं नियोजन समझाया । डॉ अलका मिश्रा ने ध ान्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया । भूगोल विभाग के समस्त अध्यापकों ने इसमें सक्रिय रूप से प्रतिभागी किया। सेमीनार का आपदा एवं प्रबंधन से संबंधित विषय होने कारण अत्यधिक मात्रा में छात्र–छात्राओं ने इसमें प्रतिभा किया सभी उक्त कार्यक्रम से लाभान्वित हुए ।

भारत की आत्मा की आवाज है वंदे मातरम–भूपेंद्र

8 से 15 नवम्बर तक जिला मुख्यालयों पर होंगे विभिन्न कार्यक्रम

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज है। यह वह स्वर है जिसने गुलामी की बेड़ियों में जकड़े भारत को आजादी की राह दिखाई। जब–जब देश पर संकट आया, यह गीत हर भारतीय के हृदय में नई ऊर्जा, साहस और एकता का संचार करता रहा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने पार्टी के सूबाई दफ्तर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि "वंदे मातरम" में केवल मातृभूमि की स्तुति नहीं बल्कि राष्ट्र के प्रति श्रद्धा, त्याग और समर्पण की भावना निहित है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान यह गीत हर आंदोलन और बलिदान का प्रेरणास्रोत बना। आजाद भारत में भी इसकी प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक है। यह गीत हमें स्मरण कराता है कि हमारा राष्ट्र केवल सीमाओं से नहीं बल्कि साझा संस्कृति, भावनाओं और कर्तव्यबोध से निर्मित हुआ है।उन्होंने बताया कि "वंदे मातरम" का सृजन वर्ष 1875 में श्री बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय द्वारा किया गया था और इसका प्रथम वाचन वर्ष 1896 में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने कोलकाता में किया था। वर्ष 1950 में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने इसे राष्ट्रगीत का दर्जा प्रदान किया। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान यह गीत राष्ट्रवाद, एकता और ब्रिटिश शासन के विरुद्ध प्रतिरोध का प्रतीक बना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 1 अक्टूबर को "वंदे मातरम" के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी उत्सव मनाने का निर्णय लिया है। स्वतंत्रता संग्राम में इस गीत की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने भी इस अवसर पर विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू करने का निर्णय लिया है। राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर 7 नवम्बर को उत्तर प्रदेश के 18 स्थानों पर 150 कार्यकर्ताओं द्वारा सामूहिक "वंदे मातरम" गायन एवं सभा का आयोजन किया जाएगा। 8 से 15 नवम्बर तक जिला मुख्यालयों पर सामूहिक गायन एवं सभाओं का आयोजन होगा। विधानसभा और मण्डल स्तर पर भी सांसदों, विधायकों और वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व में कार्यक्रम होंगे, जिनमें आमजन की व्यापक सहभागिता की जाएगी। अभियान के तहत तिरंगा यात्राएँ, प्रभात फेरियाँ, बाइक रैलियाँ, तथा प्रदर्शनियाँ और साहित्यिक गतिविधियाँ भी आयोजित की जाएंगी। प्रदेश की राजधानी सहित जिलों में प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जबकि विद्यालयों और महाविद्यालयों में निबंध, कविता और चित्रकला प्रतियोगिताएँ कराई जाएंगी ताकि नई पीढ़ी राष्ट्रगीत की प्रेरणा और उसके महत्व से परिचित हो सके।श्री चौधरी ने कहा कि "वंदे मातरम" नवभारत के उस संकल्प का प्रतीक है जिसमें हर नागरिक अपने भीतर भारत माता के प्रति श्रद्धा, सेवा और समर्पण की भावना को जीवित रखे। यही भावना भारत को विश्व में 'वसुधैव कुटुम्बकम' के संदेशवाहक के रूप में प्रतिष्ठित करती है।

रोजाना 12 घंटे ड्यूटी पर मिलेगा तीन दिन वीकली ऑफ

योगी सरकार ने फैक्ट्री एक्ट में किया बड़ा बदलाव

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में औद्योगिक उत्पादन को गति देने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कारखाना उत्तर प्रदेश संशोध ान विधेयक, 2024 को मंजूरी दे दी है।यह विधेयक अब उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 14 सन् 2025 के रूप में 3 अक्टूबर 2025 से पूरे राज्य में प्रभावी हो गया है। इस संशोधन के तहत राज्य सरकार को अधि ाकार मिल गया है कि वह कारखानों में दैनिक कार्य अवधि को अधिकतम 12 घंटे तक निर्धारित कर सके, बशर्ते साप्ताहिक कुल कार्य अवधि 48 घंटे से अधिक न हो यानि हफ्ते में तीन दिन का अवकाश। पहले यह सीमा 8–10 घंटे प्रतिदिन तक ही सीमित थी जिसे अब लचीला बनाया गया है। महिलाएं भी रात की शिफ्ट कर सकेंगी। इसके लिए सुरक्षा मानक और परिवहन सुविधा अनिवार्य होगी। श्रम विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह संशोधन मुख्य रूप से उन उद्योगों के लिए राहत लेकर आया है जो सीजनल डिमांड या बड़ी ऑर्डर सप्लाई के दौरान अधिक उत्पादन करना चाहते हैं। अब फैक्ट्रियां तीन शिफ्टों में संचालित हो सकेंगी, जैसे 12 घंटे दिन की शिफ्ट 12 घंटे रात की शिफ्ट, लेकिन कुल हफ्ते में 48 घंटे से ज्यादा काम नहीं होगा। इससे ओवरटाइम की जटिलता कम होगी और उत्पादन क्षमता में 20–25 फीसदी तक वृद्धि की संभावना है।सरकार का दावा है कि इस संशोधन से नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे, खासकर एमएसएमई सेक्टर और एक्सपोर्ट ओरिएंटेड यूनिट्स में। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, कानपुर, आगरा और लखनऊ के औद्योगिक क्षेत्रों में पहले से ही कई कंपनियां 12 घंटे की शिफ्ट मांग रही थीं, लेकिन कानूनी बाध्यता के कारण ऐसा नहीं कर पाती थीं।ये इकाइयां अतिरिक्त मैनपावर रखकर उत्पादन बढ़ा सकेंगी।

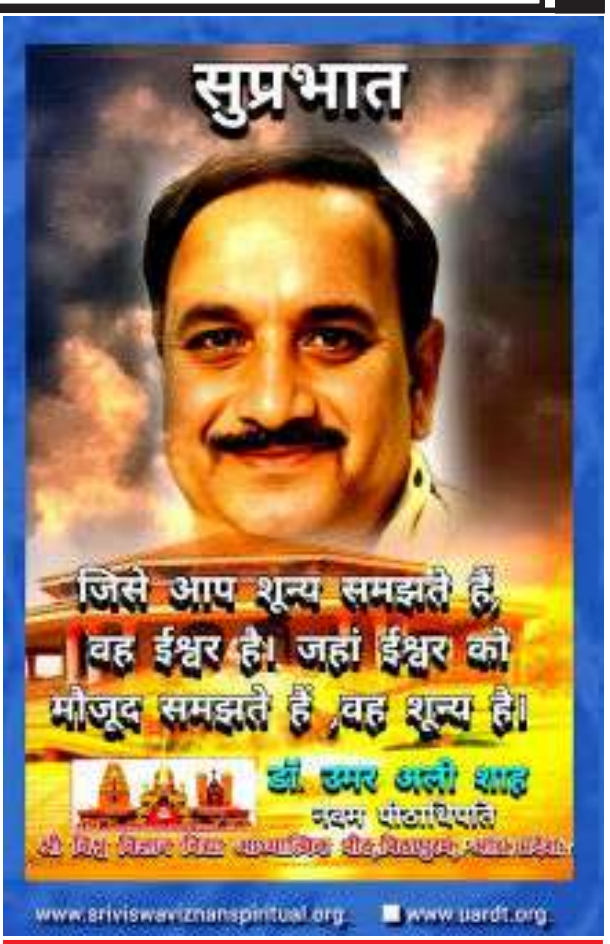

गेंदा फूल

भौतिक अरु अध्यात्म का, गेंदा पावन सेतु।
संस्कृतियों को जोड़ना, लोक कार्य के हेतु।
लोक कार्य के हेतु, सदा जीवन कर अर्पित।
शिक्षा देता एक, करो नव ऊर्जा अर्जित।
सुन लो कहें प्रदीप, न इसमें कोई कौतिक।
प्यारा सुन्दर फूल, महकता है बिन भौतिक।।

छोटी–सी पा जिन्दगी, खुश हो गेंदा फूल।
सबके मन को मोहता, उनके ही अनुकूल।
उनके ही अनुकूल, बात उनकी ही करके।
रहता भय से दूर, हमेशा खुशबू भरके।
सुन लो कहें प्रदीप,फिजाएँ गाती लोरी।
सबको दो मुस्कान, जिन्दगी है अति छोटी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

वसूली करने वालों पर बलरामपुर अस्पताल प्रशासन मेहरबान

लखनऊ, संवाददाता। बलरामपुर अस्पताल प्रशासन कर्मचारियों से वसूली के आरोपियों पर मेहरबान है। एक माह के दौरान दो अलग–अलग कर्मचारियों ने पद उच्चीकृत करने के एवज में वसूली के आरोप लगाए। लेकिन अभी तक आउटसोर्सिंग के आरोपी कर्मचारियों पर कोई कार्रवाई नहीं की। न ही उन्हें पद से हटाने की जहमत उठाई। अब दोबारा उन्हें आरोपियों की शिकायत आई है। जिस पर अस्पताल प्रशासन ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित कर लीपापोती की तैयारी शुरू कर दी है। खदरा के शिव नगर निवासी फूलमती शुक्ला का कहना है कि वह वर्ष 2007 से बलरामपुर अस्पताल में सुरक्षाकर्मी पद पर कार्यरत थीं। वर्ष 2023 में वंशिका कंपनी का टेंडर होने पर उसके तहत सुरक्षाकर्मी की नौकरी कर रही थी। फूलमती का आरोप है कि अगस्त 2024 में बलरामपुर में तैनात सुपरवाइजर ने उन्हें बुलाया और सुरक्षाकर्मी से वार्ड आया पद पर पदोन्नति कराने का झांसा दिया। इसके एवज में 90 हजार रुपए की मांग की। पीड़ित ने इतनी बड़ी रकम दे पाने में असमर्थता जताई थी। दोनों सुपरवाइजर ने 42 हजार रुपए की मांग की। इस पर फूलमती ने आरोपितों को 42 हजार रुपए नगद दिए। फूलमती ने आरोप लगाया कि एक माह बाद भी उनको न तो वार्ड आया बनाया गया, न ही उनको बढ़ा हुआ वेतन आया। वेतन सुरक्षाकर्मी पद का ही आया। उन्होंने आरोपियों से कई बार 42 हजार रुपये की धनराशि मांगी। दोनों ऑनलाइन पेमेंट करने का आश्वासन दिया, लेकिन अभी तक एक पाई भी वापस नहीं की। पीड़ित ने आरोपी आउटसोर्सिंग सुपरवाइजर के खिलाफ शपथ पत्र पर शिकायत दर्ज कराई है। मुख्यमंत्री व शासन के अफसरों से भी गुहार लगाई है। पीड़िता का आरोप है अस्पताल प्रशासन ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की है लेकिन बिना आरोपियों को पद से हटाए जांच कराना ठीक नहीं होगा। इससे पहले भी दोनों सुपरवाइजरों पर कर्मचारियों से पद उच्चीकृत के एवज में पैसे वसूली के आरोप लग चुके हैं। लेकिन अस्पताल प्रशासन दोनों सुपर वाइजरों को हटाने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है। पिछले माह एक आरोपी सुपर वाइजर ने पूरे माह मनमानी करते हुए हाजिरी तक नहीं लगाई। अब अस्पताल प्रशासन उनके वेतन भुगतान करने की तैयारी में जुट गया है। अस्पताल की निदेशक डॉ. कविता आर्या का कहना है कि जांच में दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। कमेटी ने निष्पक्ष जांच शुरू कर दी है।

जिनको नहीं मिले फ्लैट उनके लिए एलडीए आवास विकास लाएगा नई योजना, जानें शासन का आदेश

लखनऊ। डालीबाग में माफिया मुख्तार अंसारी के कब्जे से खाली कराई गई जमीन पर सरदार वल्लभ भाई पटेल आवासीय योजना के तहत बने 72 आवासों के लिए आठ हजार से अधिक लोगों ने आवेदन किया था। ऐसे में जिन लोगों को आवास नहीं मिल पाए उनको के लिए अब एलडीए और आवास विकास सस्ते आवास की सुविधा लाएगा। यह बात बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने आवंटियों को आवंटन पत्र वितरण के मौके पर कही। डालीबाग में प्राइम लोकेशन की इस 72 फ्लैटों की योजना के लिए एलडीए ने एलडीए ने चार अक्तूबर से तीन नवंबर तक ऑनलाइन पंजीकरण खोला था। जिसके लिए कुल 8184 लोगों ने ऑनलाइन आवेदन किया मगर जांच के बाद 6072 आवेदक पात्र पाए गए। जिनके बीच लाटरी हुई थी। ऐसे में आठ हजार से अधिक आवेदकों को निराश होना पड़ा। इसको देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने कहा कि जिन आवेदकों को इस योजना में आवास नहीं मिल पाए हैं उनके लिए सस्ते आवास की योजना लाई जाए और यह जिम्मेदारी एलडीए और आवास विकास परिषद की है। एलडीए की यह योजना ईडब्ल्यूएस श्रेणी की है। जिनमें तीन लाख रुपये सालाना आय वाले ही आवेदन कर सकते थे। फ्लैट का एरिया 36.55 वर्ग मीटर है और कीमत–10.70 लाख रुपये रखी गई थी।

सम्पादकीय.....

विश्व विजेता बेटियां

रविवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वो इतिहास रचा, जिसका दो दशक से इंतजार था। एक दिवसीय क्रिकेट का वर्ल्ड कप जीतकर उन्होंने उस कमी को पूरा किया, जो साल 2005 और 2017 में फाइनल में पहुंचकर भी हासिल न हो सकी थी। ऐसे वक्त में जब भारतीय महिला क्रिकेट टीम को खिताबी दौड़ में कमजोर माना जा रहा था, उसने सात बार की चौंपियन आस्ट्रेलिया टीम को सेमीफाइनल के एक रोमांचक मुकाबले में हरा दिया था। मुकाबले में मुंबई की जेमिमा रॉड्रिग्स ने 127 रन की तूफानी यादगार पारी खेली। लगता था शुरुआत में कई मैच हारने वाली भारतीय महिला टीम ने अपनी ऊर्जा फाइनल मुकाबले के लिये बचा रखी थी, जिसमें उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की टीम को 52 रन से हरा दिया। रविवार की रात हरमनप्रीत कौर की कप्तानी ने पासा ही पलट दिया। फिर उनकी टीम ने नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में चालीस हजार से ज्यादा दर्शकों के बीच जीत का जश्न जमकर मनाया। इस जुनूनी जश्न की वे हकदार भी थीं। साथ ही देश के एक अरब चालीस करोड़ लोगों को भी जीत के जश्न में डुबो दिया। लोग इस साल होने वाले कई दुखांत घटनाक्रमों को भुला इस जीत की लय में झूम उठे। यह सुखद आश्चर्य ही था कि टीम ने लगातार तीन हार झेलने के बाद टूर्नामेंट में दमदार वापसी की। सेमीफाइनल में लोग सात बार की चौंपियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम को कमतर आंक रहे थे। सुखद आश्चर्य देखिये कि फाइनल मुकाबले में हरियाणा की उस शैफाली वर्मा ने करिश्माई पारी खेली, जो विश्व कप के शुरू होने से पहले टीम का हिस्सा भी नहीं थी। उसने अपने चयन को तार्किक साबित किया। इसी तरह दीप्ति शर्मा ने भी शानदार खेल का परिचय दिया। निश्चय ही महिला क्रिकेट टीम की यह शानदार जीत देश की उन लाखों बेटियों के सपनों को नयी ऊंचाइयां देगी, जो अपना आसमान हासिल करना चाहती हैं। निस्संदेह, विश्वकप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शानदार जीत के दूरगामी परिणाम होंगे। इस खेल में टीम दीर्घकालिक वर्चस्व कायम रख सकती है। दरअसल, अब तक महिला क्रिकेट को दोयम दर्जे का माना जाता रहा है। दरअसल, जब से महिला खिलाड़ियों को पुरुष खिलाड़ियों के समान वेतन मिलने लगा और उन्हें आईपीएल–शैली की टी–20 लीग में दमखम दिखाने का मौका मिला, टीम के प्रदर्शन में अभूतपूर्व सुधार आया। धीरे–धीरे वे पुरुष क्रिकेट के सितारों की तरह आभा बिखेरने लगी। हालांकि, आगे की राह इतनी भी आसान नहीं है, उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। फिलहाल उनके पास इस कामयाबी का जश्न मनाने का मौका है। उल्लेखनीय है कि टीम में कई ऐसी खिलाड़ी हैं जिन्होंने तमाम आर्थिक–सामाजिक चुनौतियों का मुकाबला करके अपनी जगह बनायी। वे तपती पगडंडियों से गुजरने वाली बेटियों के लिये प्रेरणास्रोत हैं। इन खिलाड़ियों ने मैदान से पहले निजी जीवन में बड़ा संघर्ष किया। बेहद जटिल पृष्ठभूमि से आने के बावजूद वे विश्व विजेता टीम का हिस्सा बनी हैं। उनके साथ अभ्यास मैच खेलने के लिये लड़कियां नहीं होती थी, अतरू वे शुरुआती क्रिकेट लड़कों की टीम के साथ खेलती थीं। उनके माता–पिता को समाज की छींटाकशी का भी शिकार होना पड़ता था। मध्यप्रदेश की क्रांति गौड़ ने आर्थिक बदहाली का जीवन जिया और प्रैक्टिस मैच के लिये पैसे की मदद न मिलने पर मां ने गहने तक बेचने पड़े। वक्त बदला है और आज मध्य प्रदेश सरकार ने उसे एक करोड़ का पुरस्कार देने की घोषणा की है। स्पिनर राधा यादव का परिवार मुंबई के कांदिवली में रहता है और उसके पिता सब्जी बेचते रहे हैं। उनकी प्रतिभा पहचानकर क्रिकेटर प्रफुल्ल नाइक ने उसके परिजनों को क्रिकेट खेलने के लिये मनाया। संगरूर जिले की रहने वाली सफल गेंदबाज अमनजोत के, पेशे से कारपेंटर पिता भूपेंदर सिंह ने उनकी प्रतिभा को पहचाना। उन्होंने अपना कामधंधा दांव पर लगाया। इसी तरह हिमाचल के एक किसान परिवार से आने वाली तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर ने अपने दिवंगत पिता के सपने को पूरा किया। निस्संदेह, इन लड़कियों की कामयाबी न केवल समाज में लड़कियों के प्रति नजरिया बदलेगी, बल्कि उन जैसी लाखों लड़कियों को क्रिकेट में भविष्य आजमाने के लिये भी प्रेरित करेगी।

महिला टीम को बधाई और सलाम

डॉ. दीपक पाचपोर

आज से 20 साल पहले के दौर में मिताली राज जैसी महिला क्रिकेटरों को इसी बात का दुख था कि महिला क्रिकेट टीम को न पहचान मिलती है, न सम्मान मिलता है, बल्कि उपेक्षा करने में कोई कमी नहीं की जाती।

भारतीय खेल जगत के लिए रविवार 2 नवंबर एक बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि का दिन था। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार क्रिकेट विश्वकप में शानदार जीत दर्ज की है। 1973 से महिला क्रिकेट टीम न केवल ऐसी किसी ऐतिहासिक जीत के इंतजार में थी, बल्कि इसके साथ–साथ और बहुत से मोर्चों पर उसे सफल होने की जद्दोजहद करनी पड़ रही थी। क्रिकेट खेलने का मैदान, तरीके, नियम महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए एक जैसे ही हैं। दोनों वर्गों के खिलाड़ियों को एक जैसी मेहनत मैदान पर करनी पड़ती है। लेकिन महिला खिलाड़ियों के लिए संघर्षों का दायरा कहीं अधिक बड़ा है। पहला संघर्ष तो लैंगिक भेदभाव का ही है। क्रिकेट को जेन्टलमैन गेम कहा जाता है, यानी भद्रजनों का खेल। अंग्रेजों की मानसिकता उनके बनाए इस खेल में पूरी तरह झलकती है, जहां समाज के उच्च तबके के लोग ही भद्र माने जाते थे और उनके पुरुष ही इस खेल को खेल सकते थे। हालांकि वह युग अलग था। गेंद की तरह जब यह खेल भी सीमाओं के पार जाकर खेला जाने लगा तो इसमें देश और काल के हिसाब से तब्दीलियां आने लगी। महिलाओं ने भी क्रिकेट खेलना शुरु किया। लेकिन पितृसत्तात्मक समाज ने आदतन उन्हें हतोत्साहित किया। इसके लिए कई तरीके आजमाए गए। टीशर्ट–लोअर पहनी महिलाओं का मजाक उड़ाना, उनकी शारीरिक क्षमता पर संदेह करना यह सब तो चलता ही रहा। इसके साथ महिला खिलाड़ियों को पुरुष टीमों की अपेक्षा कम फीस देना, उनके टीम प्रबंधन, सुविधाओं और संसाधनों पर खर्च न करना, महिला टीमों के मैच के लिए प्रायोजकों का न मिलना, ऐसी कई अड़चनें दिखाकर महिला खिलाड़ियों को यही संदेश बार–बार दिया गया कि वे क्रिकेट खेलने के लिए नहीं बनी हैं। आज से 20 साल पहले के दौर में मिताली राज जैसी महिला क्रिकेटरों को इसी बात का दुख था कि महिला क्रिकेट टीम को न पहचान मिलती है, न सम्मान मिलता है, बल्कि उपेक्षा करने में कोई कमी नहीं की जाती। हालात अब भी कमोबेश वही हैं, इसलिए किसी बड़े बदलाव की उम्मीद करना जल्दबाजी होगी। हालांकि थोड़े बहुत बदलाव दिखना शुरु भी हो गए हैं। जीत के तुरंत बाद बीसीसीआई सचिव देवजित सैकिया ने घोषणा की है कि टीम, सहयोगी स्टाफ और चयनकर्ताओं को कुल 51 करोड़ रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। जबकि आईसीसी ने लगभग 37.8 करोड़ रुपये का ईनाम विजेता टीम को दिया है। बीसीसीआई के पास धन और संसाधनों की कमी नहीं है, लिहाजा वह एक बड़ी राशि महिला टीम को दे रही है, तो इसका स्वागत होना चाहिए। हालांकि यह सवाल बना हुआ है कि क्या बीसीसीआई की तरफ से महिला खिलाड़ियों को यही प्रोत्साहन आगे भी मिलता रहेगा। देश की कई महिला क्रिकेट खिलाड़ी, जो प्रतिभा होने के बावजूद कई किस्मों के भेदभाव में फंस जाती हैं, उन्हें इससे निकालने और आगे बढ़ाने के लिए बोर्ड के पास क्या कोई योजना है। देवजित सैकिया ने यह भी कहा कि जय शाह के नेतृत्व में महिला क्रिकेट में क्रांति आई। मैच फीस समानता और पुरस्कार 300प्रतिशत बढ़े। यह जीत महिला क्रिकेट को नई ऊंचाई देगी। उनका यह बयान चापलूसी से प्रेरित लगता है। क्योंकि महिला क्रिकेट टीम में यह क्रांति खिलाड़ियों की अपनी मेहनत और संघर्षों से हार न मानने के जज्बे के कारण आई है। इसमें जय शाह का व्यक्तिगत योगदान क्या है, यह अब तक सामने नहीं आया है। बल्कि पिछले साल अक्टूबर में जब टीम की सदस्य जेमिमा रोड्रिग्स की मुंबई जिमखाना की सदस्यता केवल इसलिए खत्म कर दी गई, क्योंकि उनके पिता इवान रोड्रिग्स पर क्लब में धार्मिक गतिविधि चलाने का आरोप लगा, तब जय शाह ने जेमिमा के बचाव में कुछ कहा हो, ऐसी कोई खबर सामने नहीं आई। बल्कि इस घटना के बाद जेमिमा को सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल किया गया। बताने की जरूरत नहीं कि ट्रोलर्स भारतीय जनता पार्टी के ही समर्थक थे। केवल धर्म के आधार पर जेमिमा रोड्रिग्स को मानसिक तौर पर परेशान किया गया। लेकिन वे फिर भी मैदान पर डटी रहीं और भारत के लिए फाइनल का टिकट हासिल करने में उनका बड़ा योगदान रहा। अब जेमिमा रोड्रिग्स की तारीफ हो रही है, मगर इसके साथ क्या समाज इस बात को समझेगा कि किसी भी बात को तूल देकर धार्मिक विवाद खड़े करने का काम भाजपा के शासन में जिस तरह हो रहा है, उससे समाज खुद अपना कितना नुकसान कर रहा है। आज जब विश्व कप जीतने पर केवल खुशियां मनाई जानी चाहिए, तब ये सारे सवाल खड़े हो रहे हैं कि महिला खिलाड़ियों के साथ भेदभाव अब तक क्यों होता रहा। इतनी ऐतिहासिक और बड़ी उपलब्धि के बाद भी यह भेदभाव पूरी तरह खत्म होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं ले सकता। बीसीसीआई ने कहा है कि भविष्य में पूर्ण समानता सुनिश्चित होगी। अब पुरस्कार भी समान होंगे। लेकिन यह भविष्य क्या उस आने वाले कल की तरह होगा, जो कभी आता ही नहीं है, यह भी सोचने वाली बात है। क्योंकि अभी बेशक बीसीसीआई ने 51 करोड़ रूपए टीम को दिए हैं, लेकिन 2024 के टी 20 में पुरुष टीम ने विश्व कप जीता था तो उसे 125 करोड़ दिए गए थे। 125 और 51 के बीच जितना बड़ा फासला है, पूर्ण समानता का लक्ष्य हासिल करना भी उतना ही दूर लग रहा है। हालांकि महिला खिलाड़ियों को सौ मुबारक और उनके जज्बे को सलाम जो इस बात पर भी खुश हैं कि उनके लिए मैच में समान फीस का फैसला लिया गया है। क्रिकेट से पहले हॉकी, कुश्ती, तीरंदाजी, तैराकी, शतरंज, बैडमिंटन, टेनिस, भारोत्तोलन, दौड़, जिमनास्टिक्स, पर्वतारोहण जैसे तमाम खेलों में महिला खिलाड़ियों ने अपनी धाक जमाई है।

भारत में पुलिस मुठभेड़ हत्याओं के पीछे की राजनीति

सौख्य दास

1993 की एन.एन. वोहरा समिति की रिपोर्ट में चेतावनी दी गई थी कि आपराधिक गिरोहकृ जिन्हें राजनेताओं, पुलिस अधिकारियों और नौकरशाही के कुछ वर्गों द्वारा पोषित और संरक्षित किया जाता हैकृइतनी गहराई से जड़ें जमा चुके हैं कि वे भारत के कई हिस्सों में एक समानांतर शासन व्यवस्था चला रहे हैं। समिति ने अध्ययन किया कि कैसे गिरोह जमीन हड़पने और जबरन वसूली जैसी अवैध गतिविधियों के जरिए धन इकट्ठा करते हैं, फिर ताकत और राजनीतिक प्रभाव हासिल करते हैं, जिससे राज्य और संगठित अपराध के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है। इसे भारत के विभिन्न हिस्सों में पुलिस मुठभेड़ हत्याओं की हालिया बाढ़ के संदर्भ में देखा जाना चाहिए, जिनमें उत्तर प्रदेश (2017 से 256), पंजाब (इस साल कम से कम पाँच), और तमिलनाडु (2021 से कम से कम 21) शामिल हैं। 23 अक्टूबर को दिल्ली के रोहिणी इलाके में हुई पुलिस गोलीबारी अपराध को खत्म करने के इन न्यायेतर तरीकों में से नवीनतम थी। बिहार के चार मोस्ट वांटेड गैंगस्टर मारे गए। मारे गए ये अपराधी, कथित तौर पर सुपारी किलर थे, जिनका नेतृत्व 25 वर्षीय रंजन पाठक कर रहा था, जिसने 19 साल की उम्र में अपराध की दुनिया में कदम रखा था। ये कुख्यात सिग्मा एंड कंपनी गिरोह का हिस्सा थे जिसने हाल के महीनों में बिहार के सीतामढ़ी जिले में आतंक फैलाया था। खुफिया सूचनाओं से संकेत मिलता है कि वे आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले हाई–प्रोफाइल हमलों की योजना बना रहे थे, जिसके चलते पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। रोहिणी मुठभेड़ और अन्य राज्यों में हुई मुठभेड़ों की बाढ़ अपराध और राजनीति के बीच एक गहरे और जड़ जमाए हुए गठजोड़ के लक्षण हैं। पुलिस उन अपराधियों के खात्मे का जश्न मना रही है जिन्हें वे दुष्ट अपराधी कहते हैं, लेकिन कुछ असहज सवाल अभी भी बने हुए हैं। 20 से ज़्यादा सुपारी किलरों के एक गिरोह ने राज्य के चुनाव में खलल डालने की क्षमता कैसे हासिल कर ली? उनके उदय में किसने मदद की, और उन्हें रोकने के लिए न्यायेतर गोलीबारी की जरूरत क्यों पड़ी? ये जवाब एक ऐसी वास्तविकता की ओर इशारा करते हैं जहाँ गैंगस्टर और बाहुबली किसी राज्य के राजनीतिक परिदृश्य का अभिन्न अंग बन जाते हैं, और कमजोर शासन, राजनीतिक संरक्षण और जनता की सहमति के माहौल में फलते–फूलते हैं। इस व्यापक कुप्रथा के लक्षण उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में पुलिस मुठभेड़ों के रूप में दिखाई देते हैं, जहाँ न्यायेतर हत्याओं को निर्णायक नेतृत्व के प्रमाण के रूप में पेश किया जाता है। हालाँकि, चिंताजनक बात यह है कि इस तरह के तरीके ऐतिहासिक रूप से बेहतर शासन परंपराओं से जुड़े राज्यों, जैसे तमिलनाडु, में भी घुस रहे हैं, जो दर्शाता है कि संवैधानिक मानदंडों का क्षरण न तो क्षेत्रीय है और न ही पक्षपातपूर्ण, बल्कि प्रणालीगत है। गैंगस्टर शक्तिशाली संरक्षकों के बिना फल–फूल नहीं सकते। बिहार और उत्तर प्रदेश में, दशकों के साक्ष्य एक सक्रिय गठजोड़ को दर्शाते हैं जहाँ सत्तारूढ़ राजनेता चुनावों के दौरान धन और बाहुबल के बदले अपराधियों को बचाते हैं। उत्तर प्रदेश के गैंगस्टर विकास दुबे का मामला, जिसके खिलाफ अपने चरम पर हत्याओं सहित 60 मामले दर्ज थे, इस गतिशीलता का उदाहरण है। राजनीतिक संरक्षण से वह इतना दुस्साहसी हो गया था कि 2001 में उसने भाजपा के राज्य मंत्री संतोष शुक्ला की दिनदहाड़े एक पुलिस थाने के अंदर हत्या कर दी। उसका रसूख इतना था कि 25 प्रत्यक्षदर्शियों में से किसी ने भी अदालत में उसके खिलाफ गवाही देने की हिम्मत नहीं जुटाई। जुलाई 2020 में कानपुर मुठभेड़ में आठ पुलिसकर्मियों की हत्या के मुख्य आरोपी गैंगस्टर विकास दुबे को तीन राज्यों की पुलिस द्वारा लगभग एक हफ्ते तक की गई तलाशी के बाद मध्य प्रदेश के उज्जैन से गिरफ्तार किया गया। वर्षों तक, दुबे और उसका परिवार स्थानीय चुनाव जीतता रहा और बहुजन समाज पार्टी से लेकर भाजपा तक, सभी दलों के साथ सौदेबाजी करता रहा। राजनीतिक समर्थन के बिना, कोई भी अपराधी इस तरह के कृत्य को अंजाम देने का दुस्साहस नहीं कर सकता।

दुबे जैसे मामलों में, अदालत में न्याय का मार्ग अक्सर अवरुद्ध कर दिया जाता है। गवाह मुकर जाते हैंय दुबे के मामले में, यहाँ तक कि जाँच अधिकारी भी मुकर गया और उसे अचानक भूलने की बीमारी हो गई। ऐसी परिस्थितियों में अभियोजन पक्ष विफल हो जाता है। वर्षों बाद, अभियुक्त कानूनी अनिश्चितता से उबरता है, अक्सर पहले से ज़्यादा ताकतवर। ऐसी परिस्थितियों में अदालतें असहाय हो जाती हैं। यहाँ तक कि जब दोषसिद्धि हो भी जाती है, आमतौर पर राजनीतिक हवा बदलने के बाद, तब भी सजा टिक नहीं पाती। अप्रैल 2023 में, बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने राज्य के बिहार कारागार नियमावली, 2012 में फेरबदल करके हत्या के दोषी आनंद मोहन को सजा माफी के लिए आवेदन करने का पात्र बना दिया, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया। यह कदम पूरी तरह से राजनीतिक था, 2024 के आम चुनाव से ठीक एक साल पहलेरू सिंह राजपूतों, जो एक प्रमुख मतदाता समूह है, के बीच एक बड़ा समर्थक वर्ग है। हालाँकि मोहन उस अर्थ में ष्गैंगस्टरष् नहीं है, लेकिन यह घटना इस बात को उजागर करती है कि राजनीतिक संरक्षण अपराधियों की किस हद तक मदद करता है। कम–ज्ञात गैंगस्टर, शायद सिग्मा गैंग की तरह, अक्सर चुनावों के दौरान राजनेताओं के लिए प्रवर्तक के रूप में काम करते हैंरू मतदाताओं को डराना, दूरदराज के इलाकों में बूथों पर कब्जा करना, या विरोधियों पर हमला करना। बदले में, वे सुरक्षा की उम्मीद करते हैं। जैसा कि कई सेवानिवृत्त भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों ने रिकार्ड पर कहा है, एक बार जब उनका आकार और ताकत बढ़ जाती है, तो राज्य प्राधिकारियों के लिए उनका प्रबंधन करना कठिन हो जाता है। जो पुलिस अधिकारी बिना पॉलिटिकल सपोर्ट के इन नेटवर्क से लड़ने की कोशिश करते हैं, वे बहुत बड़े खतरे में पड़ जाते हैंरू कुछ को मार दिया गया है या बदले की भावना से झूठे मामलों में फंसा दिया गया है। ऐसा भी होता है कि लोकल डॉन अपनी पकड़ वाले इलाकों में अपने दोस्त पुलिस वालों को रखने के लिए खुद पुलिस अधिकारियों को चुनते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि कानून का राज खत्म हो जाता है।जब राज्य आखिरकार गैंगस्टर्स के खिलाफ कार्रवाई करता है, या तो इसलिए कि वे अब नेक्सस के लिए किसी काम के नहीं रहे या पॉलिटिकल सिस्टम में बदलाव के कारण, तो उन्हें पुलिस एनकाउंटर जैसे पब्लिक तमाशों में कानून के दायरे से बाहर निकालकर खत्म कर दिया जाता है।पाठक के गैंग को खत्म करने वाला आधी रात का एनकाउंटर इसका एक उदाहरण हैरू तेज और पक्का, लेकिन पूरी तरह से कोर्ट को बाईपास करते हुए। अधिकारी कहते हैं कि ऑपरेशन साफ–सुथरा था, कि संदिग्धों ने पहले गोली चलाई और जानलेवा बल प्रयोग ही एकमात्र ऑप्शन था। हर एनकाउंटर की घटना में यही स्क्रिप्ट दोहराई जाती है। हालांकि, अगर कोई ऑफिशियल कहानी को करीब से देखे – जैसा कि इस लेखक ने अगस्त 2024 में न्यू लाइन्स मैगजीन के लिए उत्तर प्रदेश में एनकाउंटर किलिंग्स पर एक इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट में किया था – तो यह जांच में मुश्किल से ही टिक पाती है। इनमें से हर मामला ऑफिशियली उसी स्क्रिप्ट को फॉलो करता है, ष्खूंखार अपराधीष् या ष्पक्का अपराधीष् ने हमला किया या भागने की कोशिश की, पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई, कहानी खत्म। शायद ही कभी यह ट्रायल या डिटेल में, निष्पक्ष जांच तक पहुंचता है।

यूक्रेन युद्ध से वैश्विक संकट की आहट

संजीव ठाकुर

रूस–यूक्रेन युद्ध अब केवल दो देशों का संघर्ष नहीं रह गया है, बल्कि यह सम्पूर्ण विश्व के लिए संभावित विनाश का संकेत बन चुका है। यह युद्ध आधुनिक सभ्यता के सामने एक ऐसी चुनौती प्रस्तुत कर रहा है जिसमें मानवीय संवेदनाएँ, वैश्विक शांति और राजनीतिक संतुलन सब कुछ दांव पर लगा हुआ है। रूस की बौखलाहट, अमेरिका और नाटो देशों के हस्तक्षेप के साथ मिलकर इस युद्ध को तीसरे विश्वयुद्ध की दहलीज पर ला खड़ा कर चुकी है। रूस ने अमेरिका को खुले शब्दों में चेताया है कि यदि पश्चिमी देश इसी तरह यूक्रेन की आर्थिक और सामरिक मदद करते रहे तो उसे परमाणु या जैविक हथियारों के प्रयोग पर विवश होना पड़ सकता है। यह चेतावनी केवल शब्दों का खेल नहीं बल्कि आने वाले संकट का संकेत है, क्योंकि कीव पर हाल में किए गए रूस के बमवर्षक हमलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पुतिन अब अपनी हार छिपाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। अमेरिकी अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरस ने दावोस में अपने वार्षिक संबोधन में कहा था कि रूस और चीन का सीमा–विहीन गठबंधन वैश्विक शांति के लिए अत्यंत खतरनाक है। यदि पुतिन, शी जिनपिंग और उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन के बीच यह रणनीतिक गठबंधन गहराता गया तो विश्वयुद्ध की संभावना को टाला नहीं जा सकेगा। सोरस के अनुसार यह संघर्ष अगर अनियंत्रित हुआ तो हमारी सभ्यता इसे झेल नहीं पाएगी और यह युद्ध समस्त मानवीय मूल्यों को मलबे में बदल देगा। पुतिन और शी जिनपिंग ने अपने हालिया संयुक्त बयान में स्पष्ट कर दिया था कि उनके संबंधों और सहयोग की कोई सीमा नहीं है। यह बयान एक नई ध्रुवीय विश्व व्यवस्था का संकेत है जिसमें चीन और रूस एक साथ पश्चिमी प्रभुत्व को चुनौती देने की तैयारी में हैं। पुतिन ने शी जिनपिंग को यूक्रेन पर विशेष सैन्य अभियान की जानकारी भी पहले ही दे दी थी, जिससे स्पष्ट है कि यह सब एक सुनियोजित रणनीति के अंतर्गत हुआ था। इसी बीच रूस के एक राजदूत ने इस्तीफा देकर पुतिन की कार्रवाई का विरोध किया, वहीं युद्ध में मारे गए सैनिकों के परिवारों ने भी देश के भीतर असंतोष प्रकट किया है। यूक्रेन पर आक्रमण के समय पुतिन को

यह भ्रम था कि यूक्रेन में रहने वाले रूसी भाषा–भाषी नागरिक उनका समर्थन करेंगे, परंतु हुआ इसके ठीक विपरीतकृउन्होंने यूक्रेन पर हमले की निंदा करते हुए रूस से नाता तोड़ लिया। यह पुतिन के लिए सबसे बड़ा झटका था जिसने उनके आत्मविश्वास को हिला दिया। अब उन्हें यह एहसास होने लगा है कि उन्होंने एक ऐतिहासिक भूल की है और इसी कारण वे संघर्ष–विराम की संभावनाएं तलाशने में जुटे हैं, किंतु वर्तमान परिदृश्य में विश्व समुदाय का विश्वास रूस से उठ चुका है। अब स्थिति यह बनती जा रही है कि या तो पुतिन अपनी राजनीतिक विफलता स्वीकार कर पद छोड़ दें या फिर चीन के सहयोग से इस संघर्ष को और गहराकर विश्व युद्ध की दिशा में ले जाएँ। रूस–यूक्रेन युद्ध अब तक लगभग तीस लाख करोड़ रुपए निगल चुका है और इसका अंत अभी दूर–दूर तक दिखाई नहीं देता। अमेरिका और नाटो देशों ने यूक्रेन को लगातार हथियार, आर्थिक सहायता और युद्धक रणनीतियाँ मुहैया कराकर उसे एक मजबूत प्रतिरोधक शक्ति में बदल दिया है। इस सहायता से यूक्रेन न केवल टिके रहने में सफल रहा है बल्कि उसने रूस के कई मोर्चों पर पलटवार भी किया है। दूसरी ओर, रूस के सैनिकों और कमांडरों का मनोबल टूटने लगा है, जबकि रूसी नागरिकों में युद्ध के खिलाफ असंतोष बढ़ता जा रहा है। अब यूक्रेन के पास न धन की कमी है, न हथियारों की। उसके नागरिक अपने राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ पूरी निष्ठा और उत्साह से खड़े हैं। हालांकि युद्ध की विभीषिका भयंकर है कृ मारियोपोल जैसे शहरों में इमारतों के मलबे के नीचे से सैकड़ों शव निकाले जा रहे हैं, जिससे वहां मानवता कराह रही है। लगभग एक करोड़ यूक्रेनी नागरिक पोलैंड और अन्य यूरोपीय देशों में शरणार्थियों की तरह जीवन बिता रहे हैं। यूरोपीय देश उन्हें हर संभव सहायता दे रहे हैं और यह संघर्ष अब केवल युद्ध का नहीं बल्कि मानवीय अस्तित्व का भी बन चुका है। इस युद्ध की आंच अब एशिया–प्रशांत क्षेत्र तक फैलने लगी है। चीन और रूस के गठबंधन के खतरे को देखते हुए अमेरिका ने जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत के साथ टोक्यो सम्मेलन में सैन्य–रणनीतिक गठबंधन मजबूत करने का निर्णय लिया है। क्वाड जैसे संगठन चीन की विस्तारवादी नीतियों का प्रतिरोध कर रहे हैं। अमेरिका ने 13 देशों का एक आर्थिक समुदाय गठित कर चीन को वैश्विक व्यापारिक योजनाओं से अलग करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। चीन अब लद्दाख सीमा पर अपनी सैन्य गतिविधियाँ बढ़ाकर भारत को दबाव में लाने का प्रयास कर रहा है, लेकिन भारत सहित प्रशांत क्षेत्र के देश सतर्क हैं और संयुक्त रूप से इस नए भू–राजनीतिक खतरे का सामना करने के लिए तैयार हैं। अमेरिका और पश्चिमी देश अब चीन–रूस गठबंधन को वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा मान रहे हैं और विश्व को इनके विरुद्ध एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं। रूस–यूक्रेन युद्ध अब एक ऐसा दर्पण बन गया है जिसमें आधुनिक विश्व की नैतिकता, शक्ति और सभ्यता का चेहरा दिखाई दे रहा है। यदि यह युद्ध अनियंत्रित हुआ तो न केवल यूरोप बल्कि एशिया और अमेरिका तक इसके परिणाम पहुँचेंगे। इसलिए अब केवल एक ही विकल्प शेष है कृ इस युद्ध को शीघ्र समाप्त करने का सामूहिक प्रयास। जॉर्ज सोरस का कथन बिल्कुल सार्थक प्रतीत होता है कि "मानव सभ्यता को बचाने का सर्वोत्तम और एकमात्र तरीका है पुतिन को हराना और युद्ध को समाप्त करना।" आज विश्व राजनीति का हर मोर्चा, हर राष्ट्र, हर कूटनीति इस निर्णय के सामने खड़ा है कि क्या हम शांति को बचाने के लिए एकजुट होंगे या अहंकार, शक्ति और स्वार्थ के कारण अपनी ही सभ्यता को मिटा देंगे। समय साक्षी है कि परमाणु और जैविक हथियारों की धमकी के साये में मानवता बहुत देर तक नहीं टिक सकती। यदि यह युद्ध अब भी नहीं थमा, तो अगली सुबह शायद इतिहास नहीं लिखी जाएगी। यही समय है जब विश्व को अपनी सामूहिक बुद्धि, विवेक और करुणा से निर्णय लेना होगा, वरना यह युद्ध सभ्यता की अंतिम कहानी बन जाएगा।

बाल कलाकार देवानंद जिबिन ने केरल स्टेट फिल्म अवॉर्ड्स जूरी पर साधा निशाना, बच्चों की कैटेगरी में अवॉर्ड न देने पर उठाया सवाल

> देवानंद जिबिन ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए लिखा, बच्चों के लिए अपनी आंखें बंद कर लो, लेकिन यह मत कहो कि हर जगह अंधेरा है। जूरी ने २०२४ मलयालम फिल्म अवॉर्ड्स की घोषणा के साथ आने वाली पीढ़ी के लिए आंखें बंद कर ली हैं।

55वें केरल स्टेट फिल्म अवॉर्ड्स में बच्चों की कैटेगरी में कोई अवॉर्ड न दिए जाने के फैसले पर विवाद खड़ा हो गया है। बाल कलाकार देवानंद जिबिन ने इस फैसले के लिए जूरी हेड प्रकाश राज पर सीधे निशाना साधा है। जूरी का कहना था कि सबमिट की गई फिल्में बच्चों के नजरिए को नहीं दर्शाती थीं। अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में, श्मलिकप्पुरमश और 'नेमार' जैसी फिल्मों में काम कर चुके 12 वर्षीय देवानंद ने जूरी पर मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में बाल कलाकारों के परफॉर्मेंस को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया।

बाल कलाकार का तीखा रिएक्शन

देवानंद जिबिन ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए लिखा, बच्चों के लिए अपनी आंखें बंद कर लो, लेकिन यह मत कहो कि हर जगह अंधेरा है। जूरी ने 2024 मलयालम फिल्म अवॉर्ड्स की घोषणा के साथ आने वाली पीढ़ी के लिए आंखें बंद कर ली हैं। स्टैनार्थी श्रीकुट्टन, गु, फीनिक्स और ARM जैसी फिल्मों में कई बच्चों ने सराहनीय काम किया है। उन्होंने जूरी के इस बयान पर भी आपत्ति जताई कि बच्चों की और फिल्में बननी चाहिए। देवानंद ने कहा कि अगर दो बच्चों को अवॉर्ड दिया जाता, तो यह कई बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता।

जूरी हेड और कल्चर मिनिस्टर का स्पष्टीकरण

जूरी हेड प्रकाश राज ने स्पष्ट किया कि उन्होंने बेस्ट चिल्ड्रन्स फिल्म और बेस्ट चाइल्ड आर्टिस्ट के अवॉर्ड इसलिए नहीं दिए, क्योंकि उन्हें बच्चों की कोई भी अच्छी फिल्म या उस दिशा में प्रयास नहीं दिखा। उन्होंने फिल्म मेकर्स से बच्चों की फिल्में बनाने पर विचार करने का अनुरोध किया। यह लगातार दूसरा साल है जब बच्चों की फिल्म को अवॉर्ड नहीं मिला है। विवाद बढ़ने पर, केरल के कल्चर मिनिस्टर साजी चेरियन ने कहा कि अवॉर्ड्स की घोषणा शबिना किसी शिकायतश के हुई है। उन्होंने कहा, जूरी को कोई भी फिल्म अवॉर्ड के लायक नहीं लगी और उन्हें इसका अफसोस है। हमें इसे एक चौलेंज के तौर पर लेना चाहिए और सुधार करना चाहिए... जैसे हम एससी/एसटी फिल्म मेकर्स और महिलाओं को प्रमोट करते हैं, वैसे ही हम बच्चों की क्रिएटिव फिल्मों को भी सपोर्ट देंगे। इस अवॉर्ड सेरेमनी में ममूटी को बेस्ट एक्टर और शामला हमजा को बेस्ट एक्ट्रेस चुना गया, जबकि श्मंजुम्मेल बॉयजश ने बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड जीता था।

लड़कियां सज्जन नहीं होतीं..रघु राम ने औरतों को ठहराया पुरुषों के हार्ट अटैक का जिम्मेदार, विवादित बयान से मचा बवाल

टीवी रियलिटी शो 'रोडीज' के पूर्व जज रघु राम अक्सर अपने विवादित बयानों को लेकर सुर्खियां बटोरते हैं। अब हाल ही में उन्होंने फिर वह अपनी विवादित टिप्पणी को लेकर चर्चा में आ गए हैं। उन्होंने महिलाओं के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी की है और दावा किया कि पुरुषों की कुछ मानसिक और शारीरिक बीमारियों की जड़ महिलाएं होती हैं। दरअसल, रघु राम ने हाल ही में 'टू गर्ल्स एंड टू कप्स' पॉडकास्ट में पहुंचे और शो 'रोडीज' को लेकर कहा कि शो में कुछ महिलाएं ऐसी थीं कि जजेस के कान लाल हो गए। उनका कहना था कि उन लोगों का धुआं निकल गया और जमीन पर गिर पड़े। रघु राम ने कहा कि लड़कियां सज्जन नहीं होतीं। वह मानते हैं कि लड़कियां लड़ भी सकती हैं। औरतों की कोई सीमा नहीं होती। वो चीखती और चिल्लाती हैं। उनका मानना है कि लोग डर जाते हैं। रघु राम ने लड़कियों को बहुत बड़ी दिक्कत बताया और कहा कि उन्हें इमोशनली रूप से खुले पुरुषों की जरूरत है। असल में लड़कियों उन्हें चाहती ही नहीं हैं। रघु राम का मानना है कि अगर कोई पुरुष उनसे इमोशनल कनेक्ट होता है तो लड़कियां उन्हें ये कहकर मना कर देती हैं कि वह बिल्कुल लड़कियों के जैसा है। उसकी कोई इज्जत नहीं। उनका मानना है कि लड़कियों की वजह से लड़के कुछ भी शेयर नहीं करते। इतना ही नहीं, वह ये भी कहते हैं कि वो 60 साल की उम्र में हार्ट अटैक आने से खुश हैं। इसके साथ ही रघु राम ने आगे लड़कों के हार्ट अटैक आने का जिम्मेदार लड़कियों को ही बताया। उन्होंने कहा कि आदमी हार्ट अटैक से इसलिए मरते हैं क्योंकि जब पुरुष ओपन अप होते हैं तो लड़कियां एक्सेप्ट नहीं करती हैं। उनका मानना है कि पुरुषों के पास कोई ऑप्शन भी नहीं होता।

सास संग कैसी है सोनाक्षी सिन्हा की बॉन्डिंग? एक्ट्रेस बोलीं-उनकी एक ही शिकायत है कि मुझे खाना बनाना नहीं आता

एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा पिछले साल जून में अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल संग शादी रचाई थी। इसके बाद उन्हें अक्सर पति और ससुरालवालों के साथ फोटोज शेयर करते देखा जाता है। वहीं, हाल ही में एक बातचीत सोनाक्षी सिन्हा ने अपने ससुराल वालों के साथ अपने रिश्ते और बॉन्डिंग के बारे में बात की। हाल ही में भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया के साथ उनके यूट्यूब चौनल पर बात करते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने कहा कि न सिर्फ वे दोनों उनके साथ रहते हैं, बल्कि साथ में छुट्टियां भी मनाते हैं। वे सभी बहुत शांत हैं और साथ में खूब मस्ती करते हैं। यह एक बहुत ही घनिष्ठ परिवार है। सोनाक्षी ने बताया कि शादी से पहले उनसे ससुराल वालों से अलग रहने के बारे में पूछा गया था, लेकिन इस पर उन्होंने साफ इनकार कर दिया था। एक्ट्रेस ने कहा, जहीर ने शादी से पहले मुझसे पूछा था कि क्या मैं अपने ससुराल वालों से अलग रहना चाहती हूं, लेकिन मैंने मना कर दिया था। मैंने उससे कहा था, मैं उनके साथ रहूंगी। अगर तुम जाना चाहते हो, तो जाओ। अपनी सास संग बॉन्डिंग पर बात करते हुए सोनाक्षी ने कहा, मैं बिल्कुल भी खाना नहीं बनाती। मेरी मां बहुत अच्छा खाना बनाती हैं और बस उनकी एक ही शिकायत है कि उनकी बेटी को खाना बनाना नहीं आता। मेरी सास को भी खाना बनाना नहीं आता और वह कहती हैं कि तुम्हारी शादी सही घर में हुई है। उन्होंने कहा, चिंता मत करो, तू सही घर पे आई है। मुझे खाने का शौक है, लेकिन खाना बनाने का नहीं।

मस्ती 4 का ट्रेलर विवादों में, सोशल मीडिया पर छिड़ी `चीप' कॉमेडी बनाम `मजेदार वापसी' की जंग

'मस्ती 4' का ट्रेलर रिलीज होते ही अपनी 'चीप' कॉमेडी और एडल्ट ह्यूमर को लेकर सोशल मीडिया पर विवादों में घिर गया है। दर्शकों के एक वर्ग ने इसे आपत्तिजनक बताया, जबकि फ्रैंचाइजी के प्रशंसक इसकी 'मजेदार वापसी' का स्वागत कर रहे हैं।

निर्देशक मिलाप जवेरी ने इन आरोपों का खंडन करते हुए दर्शकों से फिल्म देखने के बाद राय बनाने और महिलाओं के मजबूत चित्रण पर जोर दिया है, जो फिल्म के प्रदर्शन पर असर डाल सकता है।

लोकप्रिय कॉमेडी फ्रैंचाइजी 'मस्ती' की चौथी किस्त, श्मस्ती 4श का ट्रेलर 4 नवंबर को रिलीज होते ही विवादों में घिर गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर दर्शकों ने फिल्म के कंटेंट और एडल्ट ह्यूमर की प्रकृति पर तीखे सवाल उठाए हैं, जिससे एक जबरदस्त ऑनलाइन बहस छिड़ गई है।

ट्रेलर रिलीज के बाद से, दर्शकों का एक बड़ा वर्ग ट्रेलर में दिखाए गए टोन और कॉमेडी को लेकर नाराजगी जाहिर कर रहा है। कई यूजर्स ने इसे श्चीपश, श्वल्गरश और श्घटिया ह्यूमरश बताया है। यह चर्चा तब और तेज हुई जब एक महिला दर्शक ने एक्स पर फिल्म मेकर्स की नैतिकता पर सवाल उठाते हुए पोस्ट किया, 'ऐसी फिल्में करने के बाद वे अपने घर की औरतों का सामना कैसे करते हैं, आपको कभी पता नहीं चलेगा।' इस टिप्पणी ने महिलाओं के चित्रण से जुड़े आरोपों को हवा दी।

वहीं, दूसरी ओर, फ्रैंचाइजी के पुराने प्रशंसकों के एक वर्ग ने ट्रेलर को मजेदार बताया और इस पॉपुलर कॉमेडी सीरीज की वापसी का दिल खोलकर स्वागत किया है।

डायरेक्टर ने दिया करारा जवाब

इन गंभीर चिंताओं पर डायरेक्टर मिलाप जवेरी ने सीधे सोशल मीडिया के माध्यम से जवाब दिया। उन्होंने दर्शकों से अपील की कि वे पूरी फिल्म देखने से पहले कोई अंतिम राय न बनाएं। महिला दर्शक की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए जवेरी ने लिखा, 'मैम प्लीज फिल्म जरूर देखें। आपको अच्छा सरप्राइज हो सकता है। औरतों का रोल और POV (Point of View) बहुत मजबूत होता है।'

कास्ट और रिलीज डेट

मिलाप जवेरी द्वारा निर्देशित श्मस्ती 4श में फ्रैंचाइजी के मूल कलाकार विवेक ओबेरॉय, आफताब शिवदासानी और रितेश देशमुख के साथ–साथ नरगिस फाखरी, अरशद वारसी और तुषार कपूर जैसे नए चेहरे शामिल हैं। इनके अलावा, फिल्म में रूही सिंह, श्रेया शर्मा, एलनाज नोरौजी, शाद रंधावा, निशांत सिंह मलकानी और नतालिया जानोसजेक भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 21 नवंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जो कि 2004 में शुरू हुई इस लंबी फ्रैंचाइजी की चौथी कड़ी है।

पिछली फिल्मों का प्रदर्शन

इस फ्रैंचाइजी की पिछली फिल्में, श्मस्तीश, श्ग्रैंड मस्तीश, और श्ग्रेट ग्रैंड मस्तीश को कमर्शियल सफलता मिली थी, हालांकि तीसरी फिल्म श्ग्रेट ग्रैंड मस्तीश ऑनलाइन लीक होने के कारण बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई थी।

'बॉर्डर 2' से वरुण धवन का पहला इंटेंस लुक जारी, धूल-रेत के बीच सैनिक के अवतार में दिखे एक्टर

सुपरस्टार सनी देओल के बाद, फिल्म 'बॉर्डर 2' के मेकर्स ने बुधवार को एक्टर वरुण धवन का फिल्म से पहला लुक जारी कर दिया है। इस लुक में, अभिनेता जंग के मैदान में एक भारतीय सैनिक के रूप में बंदूक ताने नजर आ रहे हैं। टी–सीरीज फिल्म्स ने इंस्टाग्राम पर यह नया पोस्टर शेयर किया, जो एक ड्रामैटिक युद्ध का सीन दिखाता है। पोस्टर के केंद्र में वरुण धवन एक सैनिक की भूमिका में खड़े हैं, जो धूल और रेत से सने हुए हैं। उन्होंने मिलिट्री यूनिफॉर्म पहनी हुई है और उनकी छाती पर गोलियों की बेल्ट बंधी हुई है, जो युद्ध की गंभीरता को दर्शाती है। पोस्टर के साथ बैनर ने दमदार कैप्शन दिया, बॉर्डर उसका फर्ज है और भारत उसका प्यार! यह फिल्म 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

कास्ट और प्लॉट डिटेल्स

अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित श्बॉर्डर 2श में वरुण धवन के साथ सनी देओल, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, मेधा राणा, मोना सिंह और सोनम बाजवा जैसे कलाकार हैं। फिल्म को भूषण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता ने प्रोड्यूस किया है। 1997 की ब्लॉकबस्टर वॉर ड्रामा श्बॉर्डरश का यह सीक्वल, भारत और पाकिस्तान के बीच 1999 के कारगिल युद्ध की घटनाओं पर आधारित बताया जा रहा है।

सुबह नाश्ते में बनाएं सूजी-बेसन का हेल्दी डोसा, 5 मिनट में बनेगा क्रिस्पी डोसा

आमतौर पर हर एक गृहणी परेशान रहती है कि आज घर में क्या बनाएं। नाश्ते से लेकर रात के डिनर तक यही सवाल बना रहता है कि क्या बनाएं। अगर आप भी नाश्ते के लिए कुछ हटके तलाश कर रहे हैं। तो आप नाश्ते में डोसा बना सकते हैं, अब आपके जहन में यहीं सवाल आ रहा होगा कि इसमें नया क्या है? आप ने ट्रेडिशनल डोसा उड़द की दाल और चावल वाला जरुर खाया होगा। लेकिन आप सूजी–बेसन का बना डोसा नहीं खाया होगा। इसे आप चाटनी के साथ खा सकते हैं। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

सामग्री

–1 कप – सूजी
–1/4 कप – बेसन
–1/2 कप – दही
–1 कप – पानी
–1/2 छोटा चम्मच – नमक
–1/4 छोटा चम्मच – बेकिंग सोडा
–1/2 चम्मच – नींबू का रस
– 1 चम्मच – तेल

स्टफिंग के लिए

1 बड़ा चम्मच – तेल
1/2 छोटा चम्मच – जीरा
1 हरी मिर्च
5–6 करी पत्ते
1 बड़ा प्याज
1 छोटा टमाटर
1 छोटी गाजर
50 ग्राम – पनीर
1/2 छोटा चम्मच – चाट मसाला
1/4 छोटा चम्मच – ग्राम मसाला
1/2 छोटा चम्मच – काली मिर्च पाउडर
नमक स्वाद अनुसार
1 बड़ा चम्मच – धनिया पत्ती

क्रिस्पी डोसा बनाएं

– सबसे पहले आप एक कटोरे में सूजी के साथ 1/2 कप दही मिला लें। इसके बाद 1/4 कप बेसन डाल दें, एक कप गेंहू का आटा। फिर इसनें पानी डालकर गढा मिक्सर बना लें। 5 से 10 मिनट तक बैटर से रेस्ट के लिए रख दें।

– अब स्टाफिंग के लिए एक पैन लें उसमें जीरा और हरी मिर्च डालें और फिर प्याज को डालें। करी पत्ता डालने के बाद कद्दूकस की गई गाजर डालें फिर टमाटर डालें। अब चाट मसाला, गरम मसाला, नमक और लाल मिर्च पीसी हुई डाल दें। आप इस मिश्रण में थोड़ा पनीर भी डाल सकते हैं। अब आपकी स्टाफिंग तैयार है।

– इसके बाद रखा हुआ बैटर में नमक डालें और फिर उसमें पानी मिला दें। आखिर में बैकिंग सोड़ा डाले।

– इसके बाद आप एक डोसा तवा पर तेल डालकर। आंच को कम कर लें फिर तवा पर पानी के डालें फिर उसे क्लीन कर लें कपड़े से फिर आप बैटर को डाले। डोसा की तरह बनाएं और यह आपका डोसा तैयार है। नीचे दी गई वीडियों को जरुर देखें।

सूंघने में समस्या ? इसे नजरअंदाज न करें, गंभीर बीमारियां का हो सकता है संकेत!

क्या आपने कभी महसूस किया है कि आपकी सूंघने की क्षमता में कमी आई है? एक नए अध्ययन से पता चला है कि यह केवल एक साधारण समस्या नहीं है, बल्कि यह 139 गंभीर स्वास्थ्य स्थितियों का संकेत हो सकता है। जैसे–जैसे हम बड़े होते हैं, हमारी नाक और सूंघने की क्षमता कई प्रकार की बीमारियों से जुड़ी हो सकती है, जिनमें अल्जाइमर और पार्किंसंस रोग जैसी गंभीर स्थितियां शामिल हैं। इसलिए, अगर आप महसूस कर रहे हैं कि आपकी सूंघने की क्षमता घट रही है, तो इसे हल्के में न लें। इस लेख में हम जानेंगे कि सूंघने की क्षमता में कमी के पीछे क्या कारण हो सकते हैं, और किस प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं इससे जुड़ी हो सकती हैं। साथ ही, हम देखेंगे कि आप अपनी नाक और संवेदी क्षमता को कैसे सुरक्षित रख सकते हैं। चलिए, शुरू करते हैं!

क्या कहती है रिसर्च

फ्रंटियर्स इन मॉलिक्यूलर न्यूरोसाइंस में प्रकाशित इस अध्ययन के अनुसार, सूंघने की क्षमता में कमी अल्जाइमर, पार्किंसंस रोग, मल्टीपल स्केलेरोसिस, हृदय रोग, कोविड–19 और अन्य 139 से अधिक गंभीर बीमारियों का संकेत हो सकती है। यदि आप किसी चीज की सुगंध कम महसूस कर रहे हैं, तो यह एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है।

सूंघने की क्षमता और स्वास्थ्य

अध्ययन में यह पाया गया है कि कई बीमारियों के साथ सूंघने की क्षमता का सीधा संबंध है। उदाहरण के लिए, पार्किंसंस रोग वाले व्यक्तियों में सूंघने की क्षमता में कमी देखी जाती है। इसी तरह, अल्जाइमर रोग से ग्रसित व्यक्तियों को ध्यान केंद्रित करने में समस्याएं हो सकती हैं, जिसमें नाक की संवेदी क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।

गंध और सूजन का संबंध

अध्ययन में गंध और सूजन के बीच के संबंध का भी उल्लेख किया गया है। शोधकर्ताओं ने 139 चिकित्सा स्थितियों में सूजन की मौजूदगी देखी है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर माइकल लियोन ने कहा कि सूंघने की क्षमता को बढ़ाकर वयस्कों की याददाश्त में 226 प्रतिशत तक सुधार किया जा सकता है।

प्रमुख बीमारियां

सूंघने की क्षमता में कमी से संबंधित कुछ प्रमुख बीमारियां निम्नलिखित हैं

एलर्जी
साइनसाइटिस
अस्थमा
नाक का कैंसर
डायबिटीज
नाक से जुड़ी समस्याओं के कारण

सूंघने की क्षमता में कमी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह गंभीर बीमारियों का संकेत हो सकता है। यदि आप सूंघने की क्षमता में कमी का अनुभव कर रहे हैं, तो तुरंत चिकित्सा सलाह लें। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए, क्योंकि यह आपकी भलाई से जुड़ा है।

खजूर एक सुपरफूड, रोजाना 2 खजूर से महिलाओं को मिलेंगे ये अनगिनत लाभ!

खजूर एक बेहद पोषक और स्वास्थ्यवर्धक फल है, जिसे हर उम्र के लोग पसंद करते हैं। हालांकि, यह विशेष रूप से महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद होता है। रोजाना खाली पेट 2 खजूर खाने से महिलाओं को कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। आइए, जानते हैं खजूर खाने के कुछ प्रमुख फायदे।

प्रजनन स्वास्थ्य में सुधार

खजूर प्रजनन प्रणाली के लिए बहुत लाभकारी होता है। यह न केवल प्रजनन क्षमता को बढ़ाता है, बल्कि ओव्यूलेशन, हार्मोन संतुलन और प्रसव में भी सहायता करता है। खजूर के पराग से प्रजनन क्षमता और हार्मोनल समस्याओं में मदद मिल सकती है, और यह नैचुरल प्रसव की संभावना को बढ़ाने में भी सहायक है।

गर्भावस्था के लिए पोषण

गर्भवती महिलाओं के लिए खजूर का सेवन अत्यधिक फायदेमंद होता है। इसमें फोलेट की उच्च मात्रा होती है, जो भ्रूण के विकास के लिए आवश्यक है। इसके अलावा, खजूर में ऐसे यौगिक होते हैं जो ऑक्सीटोसिन की नकल करते हैं, जो प्रसव के स्वस्थ संकुचन को सुविधाजनक बनाने में मदद कर सकते हैं।

हड्डियों के स्वास्थ्य में सुधार

खजूर में बोरॉन होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। महिलाओं की उम्र बढ़ने के साथ, हड्डियों का स्वास्थ्य बेहतर बनाए रखने के लिए नियमित रूप से खजूर का सेवन फायदेमंद हो सकता है।

बालों की सेहत

खजूर में आयरन की भरपूर मात्रा होती है, जो स्कैल्प में रक्त के प्रवाह को बढ़ावा देती है और बालों के विकास में सहायता करती है। इसके अलावा, खजूर विटामिन बी5 का भी अच्छा स्रोत है, जो बालों के रोम को मजबूत बनाने में मदद करता है।

त्वचा की सेहत

खजूर में विटामिन सी और डी की भरपूर मात्रा होती है, जो कोलेजन के विकास को बढ़ावा देती है और त्वचा को कोमल बनाती है। नियमित रूप से खजूर खाने से त्वचा की चमक भी बढ़ती है।

मानसिक स्वास्थ्य

खजूर में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो मस्तिष्क के कार्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। इसका कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स रक्त शर्करा के बढ़ने की संभावना को कम करता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

पीएमएस में राहत

खजूर में मैग्नीशियम का उच्च स्तर होता है, जो पीएमएस (प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम) के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है। इसके बीजों और पत्तियों से निकलने वाले अर्क हानिकारक बैक्टीरिया का प्रतिरोध करने में भी सहायक होते हैं। खजूर एक सुपरफूड है, जो महिलाओं के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होता है। रोजाना खाली पेट 2 खजूर खाने से न केवल स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि यह विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से भी राहत देता है। इसे अपने दैनिक आहार में शामिल करना न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि आपके स्वास्थ्य के लिए भी अत्यधिक लाभकारी है।

बेस्ट लुक के लिए जरूर ट्राई करें ये को-ऑर्ड सेट, आप पर टिक जाएगी हर नजर

हम सभी स्टाइलिश दिखना चाहते हैं, जिसके लिए आए दिन फैशन ट्रेंड को फॉलो करते हैं। अक्सर हम सलवार सूट और साड़ी पहनकर बोर हो जाते हैं। ऐसे में हम कुछ अलग ट्राई करना चाहते हैं। ऐसे में हम को–ऑर्ड सेट के बारे में बताने जा रहे हैं। इस फेस्टिव सीजन आप इंडो–वेस्टर्न लुक वाले को–ऑर्ड सेट पहन सकती हैं। ऐसे में हम आपके लिए को–ऑर्ड सेट के कुछ डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसको पहनकर आपका लुक बेहद आकर्षक नजर आएगा। साथ ही इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इसे कैरी करने के कुछ आसान टिप्स के बारे में भी बताने जा रहे हैं। बॉडी को परफेक्ट शेप देने के लिए आप पेप्लम कुर्ती स्टाइल को–ऑर्ड सेट स्टाइल कर सकती हैं। यह आपके लुक में जान डालने का काम करेगा। इस तरह की कुर्ती के साथ मैचिंग कलर की बेल बॉटम स्टाइल पैन्ट्स कैरी कर सकती हैं। यह लुक काफी एलिगेंट और स्टाइलिश नजर आएगा। आप चाहें, तो शोल्डर के लिए ऑफ या ट्यूब टॉप स्टाइल लुक चुन सकती हैं।

क्रॉप टॉप ब्लाउज स्टाइल को–ऑर्ड सेट

आजकल क्रॉप स्टाइल ब्लाउज में सिंगल शोल्डर डिजाइन को काफी पसंद किया जाता है। इसके साथ में आपको स्टाइलिश डिजाइन के शरारा या घरारा देखने को मिल जाएंगे। लेटेस्ट फैशन की बात करें, तो आप दो कलर कॉम्बिनेशन को मिक्स करके भी को–ऑर्ड सेट कैरी करवा सकती हैं। वहीं मार्केट में आपको यह 1,500 रुपए तक में आसानी से मिल जाएगा।

लेस डिजाइन को–ऑर्ड सेट

इस तरह लेस में आपको कई तरह की डिजाइन देखने को मिल जाएंगे। अगर फैंसी लुक की बात करें, तो इसमें गोटा–पट्टी वर्क लेस वाले को–ऑर्ड सेट को सबसे अधिक पसंद किया जाने लगा है। अगर आप इसमें सोबर और सिंपल लुक चाहती हैं, तो चिकनकारी डिजाइन की व्हाइट कलर की लेस बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। आप इसको पंजाबी जूती के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

संक्षिप्त

गोयल एफटीए वार्ता की प्रगति की समीक्षा के लिए पहुंचे न्यूजीलैंड

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए वार्ता की प्रगति की समीक्षा के वास्ते न्यूजीलैंड के अपने समकक्ष टॉड मैक्ले से मिलने मंगलवार को यहां पहुंचे। गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' वर्तमान एफटीए (मुक्त व्यापार समझौता) वार्ता की प्रगति की समीक्षा के लिए न्यूजीलैंड पहुंच खुश हूं।'' उन्होंने कहा कि दोनों देश एक व्यापक, पारस्परिक रूप से लाभकारी आर्थिक साझेदारी की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए तत्पर हैं। गोयल ने कहा, '' मैं दोनों देशों के बीच सहयोग एवं निवेश के नए रास्ते तलाशने के लिए उद्योग जगत के दिग्गजों तथा निवेशकों से भी मुलाकात करूंगा।'' भारत–न्यूजीलैंड एफटीए वार्ता का चौथा दौर तीन नवंबर को ऑकलैंड में शुरू हुआ। एफटीए वार्ता औपचारिक रूप से 16 मार्च 2025 को शुरू की गई थी। वित्त वर्ष 2024–25 में न्यूजीलैंड के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापारिक व्यापार 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर रहा जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 49 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। न्यूजीलैंड को भारत के प्रमुख निर्यातों में वस्त्र, कपड़े व घरेलू वस्त्र; दवाइयां व चिकित्सकीय सामग्री; परिष्कृत पेट्रोल; कृषि उपकरण व मशीनरी जैसे ट्रैक्टर तथा सिंचाई उपकरण, मोटर वाहन, लोहा व इस्पात, कागज उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक, झींगे, हीरे और बासमती चावल शामिल हैं। प्रमुख आयातों में कृषि उत्पाद, खनिज, सेब, कीवी, मांस उत्पाद जैसे भेड़ का मांस, मटन, दूध एल्ब्यूमिन, लैक्टोज सिरप, कोकिंग कोल, लट्ठे व लकड़ी, ऊन व 'स्क्रैप' धातुएं शामिल हैं।

मारुति सुजुकी ने घरेलू बाजार में तीन करोड़ की बिक्री का आंकड़ा किया पार

मारुति सुजुकी इंडिया ने घरेलू बाजार में तीन करोड़ इकाइयों की संचयी बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि उसने 28 साल दो महीने में पहली बार एक करोड़ संचयी बिक्री का आंकड़ा पार किया था। फिर एक करोड़ इकाइयां सात साल पांच महीने में बेची गईं। इसमें कहा गया

कि घरेलू बाजार में इसके बाद एक करोड़ इकाइयां छह वर्ष चार महीने के रिकॉर्ड समय में बेची गईं। भारत में बेची गई तीन करोड़ इकाइयों में से ऑल्टो सबसे लोकप्रिय मॉडल बनकर उभरी जिसकी 47 लाख से अधिक इकाइयां बिकीं। इसके बाद 34 लाख इकाइयों के साथ वैगन आर दूसरे स्थान और 32 लाख से अधिक इकाइयों के साथ स्विफ्ट तीसरे स्थान पर रही। वाहन विनिर्माता ने बताया कि कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा और फ्रोंक्स भी कंपनी के खंड में सबसे अधिक बिकने वाले शीर्ष दस वाहनों में शामिल हैं। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने कहा, '' प्रति 1,000 व्यक्तियों पर लगभग 33 वाहनों की कार उपलब्धता के साथ, हम जानते हैं कि हमारी यात्रा अभी समाप्त नहीं हुई है।'' उन्होंने कहा कि कंपनी अधिक से अधिक लोगों तक परिवहन का आनंद पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करती रहेगी। मारुति सुजुकी ने 14 दिसंबर 1983 को अपने पहले ग्राहक को मारुति 800 की आपूर्ति की थी। यह वर्तमान में 19 मॉडल में 170 से अधिक संस्करण पेश करती है।

पोर्टर में 350 लोगों को नौकरी से निकाले जाने की खबर, कंपनी ने बताया क्यों लिया फैसला

नई दिल्ली। बेंगलुरु स्थित ऑन–डिमांड लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म पोर्टर ने मंगलवार को छंटनी का एलान किया। कंपनी ने बताया है कि उसे अपनी लागत को तर्कसंगत बनाने के लिए कर्मचारियों की छंटनी का फैसला लेना पड़ा है। हालांकि, कंपनी ने आधिकारिक रूप से यह नहीं बताया है कि उसने कितने कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों के अनुसार खुद को पब्लिक कंपनी बनाने की कवायद शुरू से पहले कंपनी ने लगभग 300–350 पदों में कटौती की है। मंगलवार को एक बयान में पोर्टर ने कहा, हम एक ऐसे बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं जिसके लिए एकमुश्त पुनर्गठन की जरूरत थी। इसका उद्देश्य आगे की राह के लिए एक मजबूत, अधिक चुस्त और आर्थिक रूप से लचीला संगठन बनाना है। इस यात्रा के दौरान हमें कुछ कठिन फैसले लेने पड़े हैं जिनका असर हमारे कर्मचारियों पर पड़ा है। यह ऐसा फैसला है जो आसान नहीं था और इन्हें सावधानीपूर्वक विचार–विमर्श के बाद लिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स में सितंबर में बताया गया था कि पोर्टर मौजूदा और नए निवेशकों से 10 से 11 करोड़ डॉलर की फंडिंग हासिल करने के अंतिम चरण में है। इस तरह कंपनी में कुल निवेश करीब 30 से 31 करोड़ डॉलर तक पहुंच जाएगा। मई में पोर्टर ने निजी इक्विटी फर्मों केदारा कैपिटल और वेलिंगटन मैनेजमेंट से 20 करोड़ डॉलर जुटाए थे। इसके लिए कंपनी का मूल्यांकन 1.2 अरब डॉलर आंका गया था। प्रणव गोयल, उत्तम डिग्गा और विकास चौधरी की ओर से 2014 में स्थापित, पोर्टर इंट्रा–सिटी लॉजिस्टिक्स और कूरियर सेवाएं प्रदान करता है। वित्त वर्ष 2025 में पोर्टर का परिचालन राजस्व 57: बढ़कर 4,306 करोड़ रुपये हो गया और वह मुनाफे में आ गई। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 के 96 करोड़ रुपये के घाटे के मुकाबले इस वर्ष 55 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हासिल करने में सफलता पाई।

वो 5 पारियां जिन्होंने बनाया विराट कोहली को 'किंग', जब अकेले दम पर जीत लिया हर दिल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में विराट कोहली वो नाम है जो सिर्फ एक बल्लेबाज नहीं, बल्कि एक युग की पहचान बन गया। आज विराट अपना 37वां जन्मदिन मना रहे हैं। दो दशक के करीब के करियर में उन्होंने 27,000 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रन बनाए और 82 शतक जड़े। यह आंकड़े उनके समर्पण और क्लास को बयां करते हैं। कोहली को रन मशीन यूं ही नहीं कहा जाता। जब टीम मुश्किल में होती है, तब विराट का बल्ला सबसे ज्यादा बोलता है। आइए नजर डालते हैं उनकी पांच सबसे यादगार पारियों पर, जो हमेशा क्रिकेट फैंस के दिलों में दर्ज रहेंगी।

1. 82 रन अे पाकिस्तान, टी20 विश्व कप 2022 (मेलबर्न)

तारीखः 23 अक्तूबर 2022

इस पारी को एक 'विराट' चमत्कार' भी कहा जाता है। टी20 विश्व कप 2022 का मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच किसी फाइनल से कम नहीं था। भारत का स्कोर था– 31 पर 4 विकेट, और जीत की उम्मीद लगभग खत्म। लेकिन विराट ने जो किया, वो किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं था। उन्होंने 53 गेंदों में नाबाद 82 रन बनाए और भारत को असंभव जीत दिलाई। उनके दो छक्के, खासकर हारिस रऊफ पर लगाया गया बैकफुट छक्का आज भी हर फैन की जुबां पर है। यह पारी सिर्फ रन नहीं, बल्कि हिम्मत और भरोसे का प्रतीक बन गई।

2. 141 रन अे ऑस्ट्रेलिया, एडिलेड टेस्ट 2014

तारीखः दिसंबर 2014

कोहली की सबसे भावनात्मक और जुझारू पारियों में से एक, जिसने हार में भी जीत का अहसास दिया। 364 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को एक हीरो की जरूरत थी और कोहली ने 175 गेंदों में 141 रन ठोक दिए। हालांकि भारत यह मैच 48 रन से हार गया, लेकिन उस दिन कोहली ने दुनिया को दिखा दिया कि वह सिर्फ सीमित ओवरों का बल्लेबाज नहीं, बल्कि टेस्ट में भी किंग हैं। यह पारी उनके कप्तान बनने के बाद की शुरुआती झलक थी। एक आक्रामक, निडर और आत्मविश्वासी विराट कोहली की झलक।

3. 133 रन अे श्रीलंका, होबार्ट 2012 (कॉमनवेल्थ बैंक ट्राई सीरीज)

तारीखः 28 फरवरी 2012

इसी मैच से चेज मास्टर की शुरुआत हुई। भारत को 40 ओवरों में 321 रन का लक्ष्य मिला था, एक नामुमकिन सा दिखने वाला टारगेट। लेकिन विराट ने श्रीलंका के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और सिर्फ 86 गेंदों में 133 नाबाद रन ठोके। उनकी बल्लेबाजी में जो आत्मविश्वास था, उसने उस दिन चेज मास्टर कोहली का जन्म कर दिया। भारत ने यह मैच 36.4 ओवरों में जीत लिया, और कोहली रातोंरात हर भारतीय की धड़कन बन गए।

4. 100 रन (52 गेंदें) अे ऑस्ट्रेलिया, जयपुर

तारीखः 16 अक्तूबर 2013

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 359 रन का विशाल लक्ष्य दिया। ओपनर रोहित शर्मा और विराट कोहली ने मिलकर तूफान मचा दिया। कोहली ने महज 52 गेंदों में 100 रन पूरे किए, जो आज तक वनडे में किसी भारतीय पुरुष खिलाड़ी का सबसे तेज शतक है। उन्होंने आठ चौके और सात छक्के लगाए। उस दिन जयपुर का हर दर्शक विराट के नाम के नारे लगा रहा था– कोहली३ कोहली! भारत ने नौ विकेट से जीत दर्ज की और यह पारी कोहली के करियर की सबसे विस्फोटक पारियों में गिनी जाती है।

5. 183 रन अे पाकिस्तान, एशिया कप 2012, मीरपुर

तारीखः 18 मार्च 2012

पाकिस्तान ने 329 रन का लक्ष्य दिया था। विराट कोहली ने पाकिस्तान के गेंदबाजों की लाइन–लेंथ को तहस–नहस कर दिया और 148 गेंदों में 183 रन जड़ दिए। उन्होंने 22 चौके और एक छक्का लगाया। ये पारी न सिर्फ उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ वनडे इनिंग है, बल्कि भारत–पाक मुकाबलों के इतिहास की सबसे आइकॉनिक पारियों में से एक है। कोहली की इस बल्लेबाजी ने भारत को 47वें ओवर में ही जीत दिला दी थी।

विराट – सिर्फ रन नहीं, जुनून का दूसरा नाम

विराट कोहली की ये पांच पारियां सिर्फ स्कोरकार्ड पर दर्ज आंकड़े नहीं हैं, बल्कि भारतीय क्रिकेट की भावनाओं की गाथा हैं। वो बल्लेबाज जिसने मुश्किल पलों में जीत की उम्मीद जिंदा रखी। विराट कोहली...एक नाम, जो हर भारतीय क्रिकेट फैन के दिल में हमेशा गूंजता रहेगा।

पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का एलान, लाबुशेन की वापसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज 2025–26 के पहले टेस्ट के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम में अनुभवी बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन की वापसी हुई है, जबकि युवा ओपनर सैम कॉनस्टास को बाहर कर दिया गया है। टीम का एलान बुधवार को मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने किया, जिसमें सबसे बड़ा सरप्राइज नाम जेक वेदराल्ड का रहा। उन्होंने हाल के घरेलू सीजन में शानदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा था।

स्मिथ संभालेंगे कप्तानी, कमिंस अब भी चोटिल

ऑस्ट्रेलिया के नियमित कप्तान पैट कमिंस चोट के कारण पहले टेस्ट से बाहर रहेंगे, ऐसे में स्टीव स्मिथ टीम की अगुआई करेंगे। बेली ने कहा, श्हम टेस्ट समर की शुरुआत को लेकर उत्साहित हैं। टीम में संतुलन अच्छा है और खिलाड़ी घरेलू सीजन से अच्छी लय में आ रहे हैं।

जेक वेदराल्ड बना सबसे बड़ा सरप्राइज

31 वर्षीय जेक वेदराल्ड पिछले घरेलू सीजन में शेफील्ड शील्ड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। उन्होंने मौजूदा सीजन में भी लाल गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखा है।

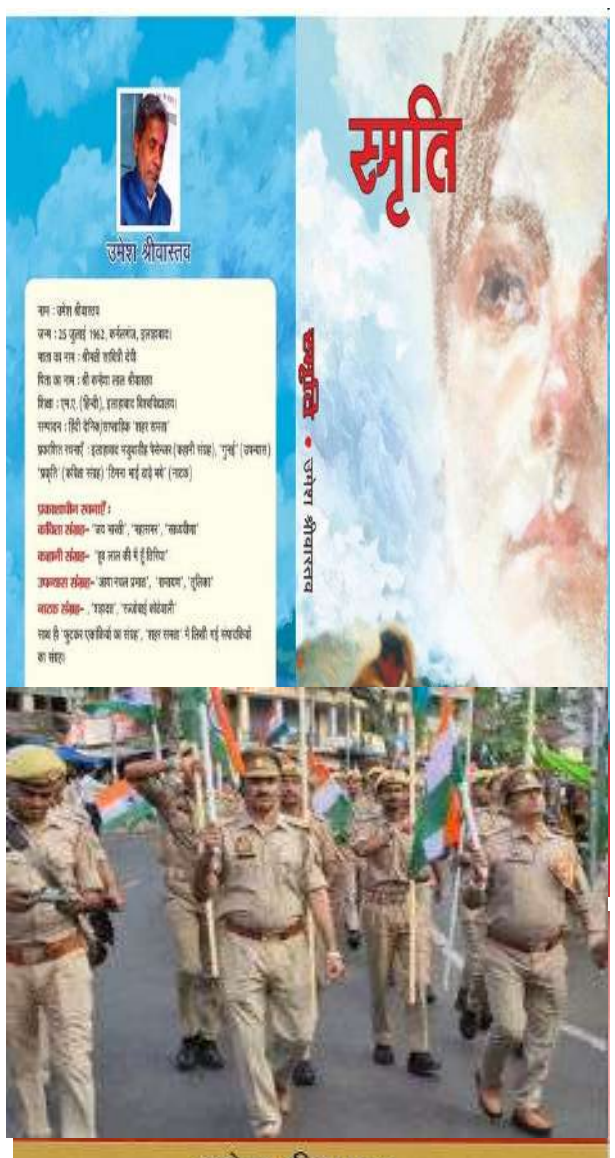

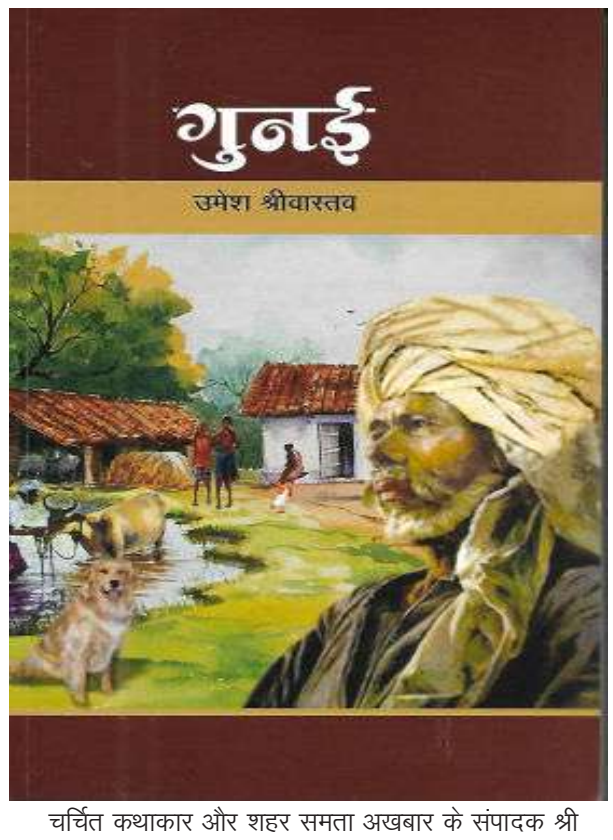

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

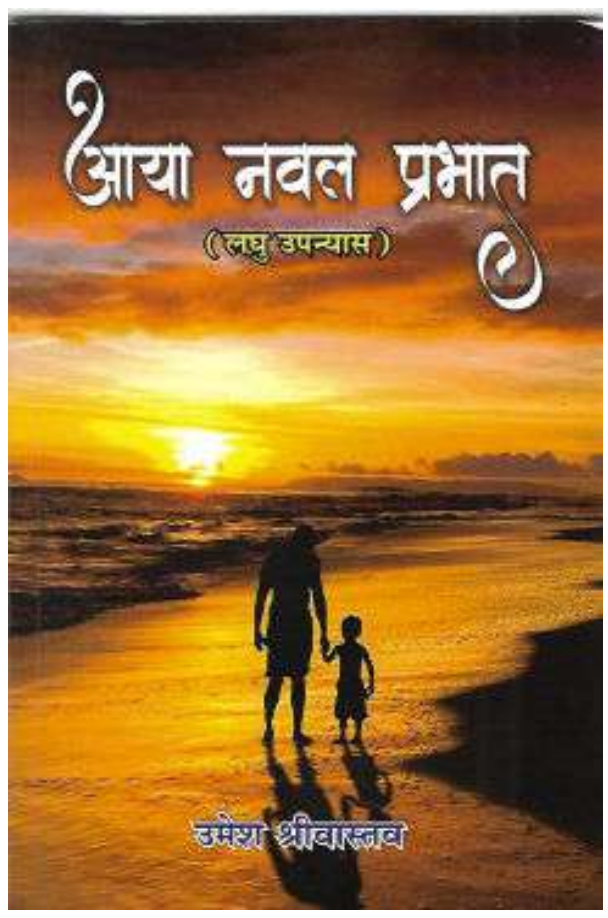

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

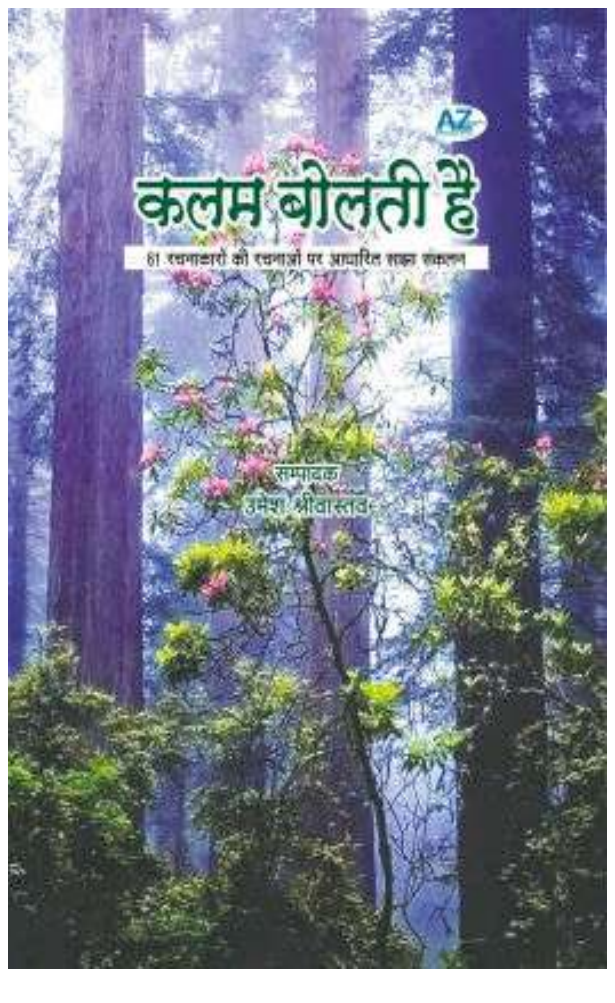

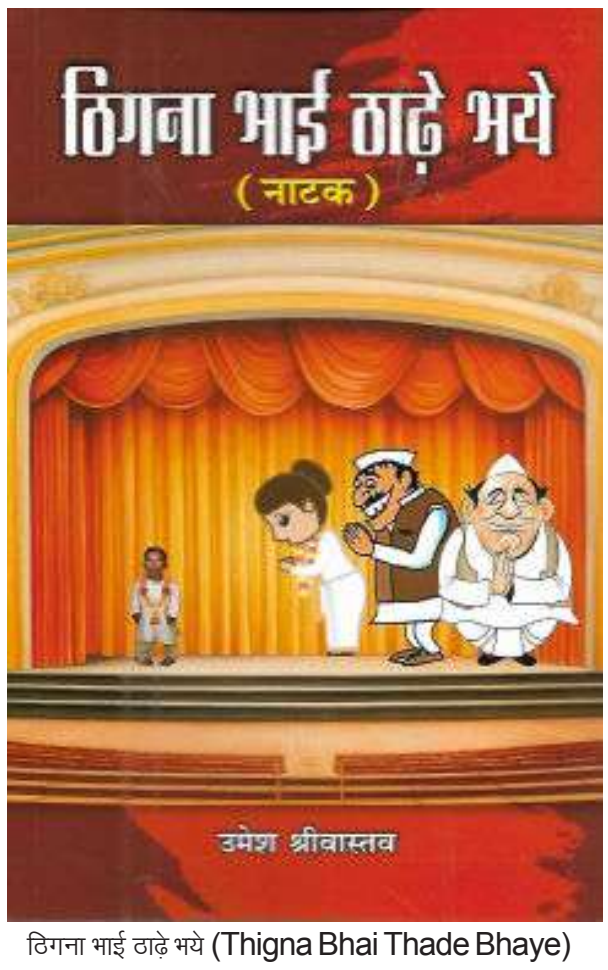

संक्षिप्त

बोस्निया में एक इमारत में आग लगने से 10 लोगों की मौत, कई घायल

बोस्निया के उत्तरपूर्वी शहर तुजला में एक आवासीय इमारत में आग लगने से मंगलवार को कम से कम 10 लोगों की मौत हो गयी। एक अधिकारी और बोस्निया मीडिया ने यह जानकारी दी। दैनिक समाचार पत्र 'दनेवनी अवाज' ने बताया कि इमारत की एक ऊपरी मंजिल पर आग लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गयी। अभी तक कम से कम 20 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया तथा कई और लोगों के हताहत होने की आशंका है। कैंटोनल नेता इरफान हालिलागिक ने समाचारपत्र को दिए एक बयान में पुष्टि की कि मौतें हुई हैं लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कितने लोग मारे गए। हालिलागिक ने कहा, ''हम अब विचार कर रहे हैं कि निवासियों को कहां ठहराया जाए।'' अखबार और अन्य बोस्नियाई मीडिया संगठनों ने भीषण आग की खबरें पुलिस सूत्रों के हवाले से प्रकाशित की हैं लेकिन पुलिस ने अभी तक सार्वजनिक रूप से विवरण की पुष्टि नहीं की है। इमारत की तीसरी मंजिल पर रहने वाली रुजा काजिक ने कहा कि वह सोने चली गईं थीं तभी उन्होंने ''जोरदार आवाज'' सुनीं और ऊपरी मंजिलों से आग की लपटें देखीं। मीडिया में जारी घटनास्थल की तस्वीरों में आवासीय इमारत की एक मंजिल पर आग लगी दिखायी दे रही है। आग पर काबू पाने के बाद दमकलकर्मियों ने इमारत को खाली करा लिया।

एक बंधक का शव गाजा में रेड क्रॉस को सौंपा गया : इजराइल

इजराइल की सेना ने कहा है कि एक मृत बंधक का शव गाजा में रेड क्रॉस को सौंप दिया गया है। मंगलवार की घोषणा से पहले, हमास ने मौजूदा युद्धविराम शुरू होने के बाद से 20 बंधकों के शव इजराइल को लौटा दिए थे। अगर सौंपे गए शव की पुष्टि बंधक के रूप में होती है, तो गाजा में सात अन्य लोगों के अवशेष बचेंगे। इजराइल और फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के बीच युद्ध विराम 10 अक्टूबर को शुरू हुआ।

भारत–अमेरिका संबंधों के भविष्य को लेकर 'बहुत सकारात्मक' महसूस करते हैं ट्रंप, व्हाइट हाउस प्रेस सचिव का बयान

अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत–अमेरिका संबंधों के भविष्य को लेकर ''बहुत सकारात्मक'' महसूस करते हैं। लेविट ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में भारत–अमेरिका संबंधों के भविष्य से जुड़े सवाल के जवाब में कहा, ''मेरा मानना है कि राष्ट्रपति इस बारे में बहुत सकारात्मक और दृढ़ महसूस करते हैं। जैसा कि आप जानते हैं कि कुछ हफ्ते पहले उन्होंने दिवाली के अवसर पर ओवल ऑफिस में कई वरिष्ठ भारतीय–अमेरिकी अधिकारियों के साथ मुलाकात की थी और उस दौरान प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) से फोन पर बात भी की थी।'' उन्होंने यह भी कहा कि भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ''बेहतरीन'' प्रतिनिधि हैं, जो वाशिंगटन का बहुत अच्छी तरह प्रतिनिधित्व करेंगे। लेविट ने कहा, ''राष्ट्रपति और उनकी व्यापारिक टीम संबंधित विषय पर भारत के साथ गंभीर चर्चा कर रही है। राष्ट्रपति ट्रंप प्रधानमंत्री मोदी का बहुत सम्मान करते हैं और दोनों के बीच अक्सर बातचीत होती रहती है।'' पिछले महीने ट्रंप ने ओवल ऑफिस में दिवाली समारोह की मेजबानी की थी, जिसमें अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा, कई प्रमुख भारतीय–अमेरिकी कारोबारी नेता और सामुदायिक प्रतिनिधि शामिल हुए थे। ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन पर दिवाली की शुभकामनाएं भी दी थीं। इस पर मोदी ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि भारत और अमेरिका दोनों मिलकर दुनिया को आशा की किरण से आलोकित करते रहेंगे तथा आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहेंगे। लीविट की यह टिप्पणी पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के उस दावे के कुछ ही दिनों बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत ने रूसी तेल की अपनी खरीद में भारी कमी की है। उन्होंने अपने हालिया पाँच दिवसीय एशिया दौरे के दौरान नई दिल्ली को इस मुद्दे पर ष्बहुत अच्छाष् बताया था। उनकी यह टिप्पणी अक्टूबर के मध्य से दिए गए उन बयानों की श्रृंखला में एक और कड़ी है जिनमें प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया था कि भारत मास्को से कच्चे तेल के आयात पर अंकुश लगाएगा या उसे रोक देगा। ट्रंप के ये दावे यूक्रेन में चल रहे युद्ध के बीच प्रतिबंधों और ऊर्जा प्रतिबंधों के माध्यम से रूस को आर्थिक रूप से अलग–थलग करने के उनके प्रशासन के व्यापक प्रयासों का हिस्सा हैं। इस महीने की शुरुआत में, भारत के विदेश मंत्रालय (डम।) ने ट्रंप के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए दोहराया कि देश के ऊर्जा स्रोत संबंधी निर्णय पूरी तरह से राष्ट्रीय हितों और उपभोक्ता कल्याण को ध्यान में रखकर लिए जाते हैं।

चीन के स्पेस स्टेशन से टकराया अंतरिक्ष मलबा, तीन अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी टली

बीजिंग। चीन के मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन में बड़ा झटका लगा है। चीन के स्पेस स्टेशन से सूक्ष्म अंतरिक्ष मलबे की टक्कर के कारण बुधवार को निर्धारित अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी को फिलहाल टाल दिया गया है। यह जानकारी चाइना मैनड स्पेस एजेंसी ने दी। एजेंसी ने कहा कि यह फैसला अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा और मिशन की सफलता को ध्यान में रखकर लिया गया है। चीन हर छह महीने में अपने स्पेस स्टेशन के दल की अदला–बदली करता है। बीते शनिवार को शेनझोउ–20 अंतरिक्ष यान ने शेनझोउ–21 क्रू के साथ कक्षा में हैंडओवर प्रक्रिया पूरी की थी। अंतरिक्ष स्टेशन की चाबियां मंगलवार को औपचारिक रूप से सौंप दी गईं। शेनझोउ–20 के तीन अंतरिक्ष यात्री (चेन डोंग, चेन झोंगरुई और वांग जिए) अपने निर्धारित सभी कार्य पूरे कर चुके हैं और बुधवार को इनर मंगोलिया के डोंगफेंग लैंडिंग साइट पर उतरने वाले थे। हालांकि, मलबे की टक्कर के चलते उनकी वापसी अस्थायी रूप से रोक दी गई है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

फिलीपींस में कालमेगी तूफान का रौद्र रूप दिखा, 90 से ज्यादा लोगों की हुई मौतें, शहर में मचा हाहाकार

फिलीपींस तूफान कालमेगी से मची तबाही से जूझ रहा है, जिसके कारण मध्य क्षेत्र में कम से कम 90 लोगों की मौत हो गई है और दर्जनों लोग लापता हैं। बुरी तरह प्रभावित सेबू प्रांत के एक प्रवक्ता ने एएफपी को बताया कि एक तटीय कस्बे से 35 शव बरामद किए गए हैं, जिससे प्रांत में मरने वालों की संख्या बढ़कर 76 हो गई है। राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा कार्यालय ने पहले तूफान से प्रभावित अन्य प्रांतों में कम से कम 17 अतिरिक्त मौतों की सूचना दी थी। समाचार एजेंसी एपी के अनुसार, अधिकांश मौतें सेबू प्रांत में हुईं, जहां अचानक आई बाढ़ ने आवासीय क्षेत्रों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे लोग छतों पर फंस गए तथा वाहन बह गए, जो

अभी भी सितम्बर में आए घातक भूकंप से उबर रहे थे। अधिकतर लोगों की मौत भीषण बाढ़ में फंसने और तेज बहाव में बह जाने के कारण हुई है। एक अलग घटनाक्रम में सेना ने यह जानकारी दी कि कालमेगी से प्रभावित प्रांतों को मानवीय सहायता पहुंचाने जा रहा फिलीपीन वायु सेना का एक हेलीकॉप्टर मंगलवार को दक्षिणी अगूसन डेल सूर प्रांत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें छह लोगों की जान चली गई। हालांकि हेलीकॉप्टर दुर्घटना के कारणों का विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया है। नागरिक सुरक्षा कार्यालय के उप प्रशासक और प्रांतीय अधिकारियों ने बताया कि अधिकांश लोगों की मौत मध्य प्रांत सेबू में हुई, जहां मंगलवार को कालमेगी के कारण अचानक बाढ़ आ गई और नदियां उफान पर पहुंच गईं। अधिकारियों के अनुसार बाढ़ के कारण आवासीय क्षेत्र जलमग्न हो गए, जिसकी वजह से घबराए निवासियों को अपनी छतों पर चढ़ना पड़ा। फिलीपीनी रेड क्रॉस को बचाव के लिए कई अनुरोध प्राप्त हुए, लेकिन आपातकालीन कर्मचारियों के जोखिम को कम करने के लिए जलस्तर घटने तक इंतजार करना पड़ा। सेबू की गवर्नर पामेला बारिकुआट्रो ने कहा कि तूफान से बचाव के लिए हर संभव प्रयास किए गए, लेकिन इस दौरान अचानक आई बाढ़ जैसी अप्रत्याशित घटनाएं हुईं। सेबू में आपदा से निपटने के लिए आपातकालीन धन के तेजी से वितरण को ध्यान में रखते हुए आपदा की स्थिति घोषित कर दी है। सेबू 24 लाख से अधिक आबादी वाला प्रांत है। यह शहर अब भी 30 सितंबर को आए 6.9 तीव्रता के भूकंप से उबर रहा था, जिसमें कम से कम 79 लोगों की मौत हुई थी और हजारों लोग विस्थापित हुए थे। गवर्नर बारिकुआट्रो ने बताया कि भूकंप से विस्थापित उत्तरी सेबू के हजारों निवासियों को तूफान आने से पहले अस्थायी तंबुओं से आश्रय स्थलों पर ले जाया गया था और भूकंप से तबाह हुए उत्तरी कस्बों में कालमेगी के कारण आई बाढ़ का असर कम हुआ।

डेमोक्रेट एबिगेल स्पैनबर्गर ने वर्जीनिया में इतिहास रचा, बनीं पहली महिला गवर्नर, ट्रंप के लिए खतरा ?

अमेरिकी राज्य वर्जीनिया में हुए चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की एबिगेल स्पैनबर्गर ने जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया है। वह दक्षिणी अमेरिकी राज्य की पहली महिला गवर्नर बन गई हैं। रिपब्लिकन लेफ्टिनेंट गवर्नर विनसम अर्ल–सियर्स को हराकर मिली उनकी यह जीत, डेमोक्रेट्स के लिए 2026 मिडटर्म चुनावों से पहले एक महत्वपूर्ण विजय मानी जा रही है।

जीत के बाद स्पैनबर्गर का संदेश

जीत का जश्न मनाते हुए स्पैनबर्गर ने कहा कि वर्जीनिया ने देश को यह संदेश दिया है कि हमने पार्टीबाजी के बजाय प्रैक्टिकल सोच को चुना है। उन्होंने जोर दिया कि वर्जीनिया ने अव्यवस्था के बजाय अपने कॉमनवेल्थ को चुना है।

स्पैनबर्गर कौन हैं और उनकी जीत क्यों महत्वपूर्ण है?

46 वर्षीय स्पैनबर्गर का

करियर सीआईए से शुरू हुआ था, जहां उन्होंने एक केस ऑफिसर के रूप में काम किया। इससे पहले उन्होंने यूएस पोस्टल इंस्पेक्शन सर्विस में नारकोटिक्स और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों की जांच की थी। उन्होंने 2017 में राजनीति में कदम रखा और 2018 में यूनाइटेड स्टेट्स हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के लिए चुनी गईं। गवर्नर पद की दौड़ में, उन्होंने लोगों की आर्थिक चिंताओं पर ध्यान केंद्रित किया, जैसे खाने, हेल्थकेयर और एनर्जी की लागत कम करना। उन्होंने खुद को वाशिंगटन की अव्यवस्था से अलग दिखाया। उन्होंने कहा कि उनका फोकस पॉलिसीज पर है, न कि 'पर्सनैलिटी कल्ट' पर जो राजनीति पर हावी हो गया है। उन्होंने गन वायलेंस की रोकथाम को भी एक अहम मुद्दा बनाया और असॉल्ट–स्टाइल हथियारों पर बैन लगाने वाले कानून पर साइन करने का वादा किया। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी उनका समर्थन किया था।

ट्रंप और रिपब्लिकन के लिए मायने

भले ही डोनाल्ड ट्रंप का नाम बैलेट पर नहीं था, लेकिन वर्जीनिया में इस डेमोक्रेटिक जीत को उनके दूसरे राष्ट्रपति कार्यकाल के लिए एक जनमत संग्रह के तौर पर देखा जा रहा है। वर्जीनिया पेंटागन और कई फेडरल वर्कर्स का घर है, जो ट्रंप की खर्च कटौती से प्रभावित हुए थे। ट्रंप के कैंपेन मैनेजर क्रिस लैसिविता ने सीधे तौर पर रिपब्लिकन उम्मीदवार की आलोचना की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि एक बुरे कैंडिडेट और बुरे कैंपेन के नतीजे होते हैं,वर्जीनिया गवर्नर्स की रेस इसका उदाहरण नंबर 1 है। कई विश्लेषकों का मानना छ्है कि यह जीत 2026 के मिडटर्म चुनावों का संकेत है, जहां डेमोक्रेट्स के पास कांग्रेस में नियंत्रण वापस जीतने के मौके होंगे।

अमेरिका में भारतीय मूल का बजा डंका! न्यूयॉर्क मेयर बने ममदानी

सिनसिनाटी में पुरेवैल का जलवा, कई शहरों को मिले नए मेयर

अमेरिका के कई राज्यों के प्रमुख शहरों में मंगलवार को मेयर पद के लिए चुनाव हुए जिनमें लोगों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और अपने पसंदीदा नेता को चुना लेकिन सबसे दिलचस्प मुकाबला न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद के लिए हुए चुनाव में देखने को मिला जिसमें भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने विजयी होकर इतिहास रच दिया। वह अमेरिका के सबसे बड़े शहर के मेयर पद पर आसीन होने वाले पहले दक्षिण एशियाई और मुस्लिम व्यक्ति बन गए हैं। ममदानी ने 9,48,202 वोट (50.6

प्रतिशत) प्राप्त कर न्यूयॉर्क सिटी के मेयर का चुनाव जीता, जिसमें 83 प्रतिशत वोट पड़े। वह कई महीनों से न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुनाव की दौड़ में सबसे आगे थे और मंगलवार को उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा तथा दिग्गज नेता एवं न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराया, जो निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे। कुओमो को चुनाव की पूर्व संध्या पर ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त हुआ था। कुओमो को 7,76,547 वोट (41.3 प्रतिशत) मिले जबकि स्लिवा को 1,37,030 वोट मिले। उनकी प्रचार टीम ने कहा था, ''जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के कामकाजी वर्ग के लोगों के लिए जीवनयापन की लागत कम करने के वास्ते मेयर पद का चुनाव लड़ रहे हैं।'' युवा नेता ममदानी को युवाओं और कामकाजी वर्ग के न्यूयॉर्कवासियों के बीच भरपूर समर्थन मिला, जो देश में कठिन आर्थिक और राजनीतिक माहौल के बीच महंगाई और नौकरी की असुरक्षा के बोझ तले दबे हुए हैं। भारतीय मूल के ममदानी प्रसिद्ध फिल्म निर्माता मीरा नायर और कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर महमूद ममदानी के पुत्र हैं। उनका जन्म युगांडा के कंपाला में हुआ था और सात साल की उम्र में वह अपने परिवार के साथ न्यूयॉर्क सिटी आ गए थे। ममदानी 2018 में ही अमेरिकी नागरिक बने थे। ओहायो के सिनसिनाटी शहर के मेयर पद के लिए भी मंगलवार को चुनाव हुए जिनमें डेमोक्रेट आफताब पुरेवैल ने रिपब्लिकन उम्मीदवार कोरी बोमैन को शिकस्त दी और इस पद पर अपना वर्चस्व बरकरार रखा। कोरी बोमैन अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस के सौतेले भाई हैं। पुरेवैल पहली बार 2021 में मेयर चुने गए थे। उन्होंने मई में सर्वदलीय नगरपालिका प्राइमरी में 80 प्रतिशत से ज़्यादा मतों से जीत हासिल की थी। मेयर पद के लिए चुनाव लड़ने से पहले उन्होंने वकील के तौर पर सेवाएं दी थीं। जॉर्जिया राज्य की राजधानी अटलांटा के मेयर पद के लिए भी मंगलवार को चुनाव हुए जिसमें आंद्रे डिकेंस ने जीत हासिल की है। यह मेयर पद पर उनकी दूसरी जीत है। अटलांटा का मेयर पद दशकों से डेमोक्रेट्स के पास रहा है। डिकेंस ने तीन प्रतिद्वंद्वियों को हराकर 50 प्रतिशत से अधिक मतों के साथ यह पद जीता। वर्ष 2022 में पदभार ग्रहण करने से पहले, डिकेंस अटलांटा नगर परिषद में और एक तकनीक–आधारित गैर–लाभकारी संस्था के मुख्य विकास अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। पेनसिल्वेनिया राज्य के पिट्सबर्ग शहर के मेयर पद पर हुए चुनाव में डेमोक्रेट कोरी ओ कॉनर ने जीत हासिल की है। ओ कॉनर ने मंगलवार को रिपब्लिकन उम्मीदवार टोनी मोरेनो को हराकर पिट्सबर्ग के मेयर का चुनाव जीता। एलेघेनी काउंटी के नियंत्रक ओ कॉनर ने इस साल की शुरुआत में डेमोक्रेटिक प्राइमरी में मौजूदा मेयर एड गेनी को हराया था। वह पिट्सबर्ग के पूर्व मेयर बॉब ओ कॉनर के बेटे हैं। वहीं, मैरी शेफ़ील्ड मिशिगन राज्य के डेट्रॉइट शहर की पहली महिला मेयर चुनी गई हैं। नगर परिषद अध्यक्ष मैरी शेफ़ील्ड डेट्रॉइट की नयी मेयर और शहर का नेतृत्व करने वाली पहली महिला होंगी। शेफ़ील्ड ने मंगलवार के आम चुनाव में लोकप्रिय मेगाचर्च पादरी रेव. सोलोमन किनलोच को हराया। वह जनवरी में पदभार ग्रहण करेंगी और तीन बार मेयर रह चुके माइक डुग्गन का स्थान लेंगी, जिन्होंने पिछले साल घोषणा की थी कि वह दोबारा चुनाव नहीं लड़ेंगे।

अमेरिका के केंटकी में उड़ान भरते ही मालवाहक विमान क्रैश, 7 लोगों की मौत, 11 घायल

अमेरिका में मंगलवार शाम एक बड़ा हादसा हुआ जब केंटकी के लुइसविले से उड़ान भरते समय एक बड़ा यूपीएस मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 11 घायल हो गए। केंटकी के गवर्नर एंडी बेशियर ने कहा कि यह संख्या बढ़ने की उम्मीद है। यह घटना मुहम्मद अली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शाम लगभग 5. 15 बजे (स्थानीय समयानुसार) हुई। विमान, जिसमें तीन लोग

सवार थे, होनोलूलू जा रहा था जब यह हवाई अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। संघीय उड्डयन प्रशासन ने पुष्टि की है कि दुर्घटना के बाद एक विस्फोट हुआ और भीषण आग लग गई जिससे आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया। वीडियो में विमान के बाएँ पंख पर आग की लपटें और धुएँ का गुबार दिखाई दे रहा है। विमान दुर्घटनाग्रस्त होने और एक विशाल आग के गोले में तब्दील होने से पहले ज़मीन से थोड़ा ऊपर उठा। वीडियो में रनवे के अंत में एक इमारत की टूटी हुई छत के कुछ हिस्से भी दिखाई दे रहे हैं। लुइसविले मेट्रो पुलिस विभाग ने सोशल मीडिया के ज़रिए यह जानकारी साझा की। लुइसविले के मेयर क्रेग ग्रीनबर्ग ने ॅस्ज्ञल टीवी को बताया कि जोखिम बहुत ज़्यादा था क्योंकि मेरी समझ से विमान में लगभग 2,80,000 गैलन ईंधन था और इसलिए यह कई मायनों में चिंता का विषय है।

UPS हब लुइसविले में स्थित है

लुइसविले में न्वै का सबसे बड़ा पैकेज प्रोसेसिंग प्लांट है जिसमें हज़ारों कर्मचारी कार्यरत हैं। यह हब प्रतिदिन 300 से ज़्यादा उड़ानों का संचालन करता है और हर घंटे 4,00,000 से ज़्यादा पैकेजों की छंटाई करता है। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना में शामिल विमान 1991 में निर्मित मैकडॉनेल डगलस डक–11 मॉडल का था।

आश्रय स्थल आदेश बढ़ाया गया

दुर्घटना के बाद, हवाई अड्डे के उत्तर में ओहायो नदी तक के क्षेत्रों के लिए आश्रय स्थल परामर्श बढ़ा दिया गया। केंटकी के गवर्नर एंडी बेशियर ने ग पर पोस्ट किया कि स्थिति स्पष्ट होने पर अपडेट दिए जाएँगे। बेशियर ने कहा, कृपया पायलटों, चालक दल और प्रभावित सभी लोगों के लिए प्रार्थना करें।

विमान के बारे में जानें

जानकारी के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त विमान डक 11थ मॉडल का था। मूल रूप से इसका निर्माण मैकडॉनेल डगलस द्वारा किया गया था और बाद में इसका उत्पादन बोइंग द्वारा किया गया। यह विमान मुख्य रूप से कार्गो संचालन के लिए उपयोग किया जाता है और इसे यूपीएस, फेडेक्स और लुफ्थांसा कार्गो जैसी कंपनियां उड़ाती हैं। दुर्घटनाग्रस्त विमान 1991 में बनाया गया था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।